सांध्य दैनिक
श्रीकंचनपथ
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25
वर्ष- 16 अंक - 138 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 02 मार्च 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

योगाभ्यास केंद्र के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग से संबद्ध सात योगाभ्यास केंद्रों का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम टीचर्स कालोनी, कोटा, रायपुर गार्डन में मनाया गया। इस विशेष कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नवनिर्वाचित पार्षद प्रीतम सिंह ठाकुर एवं अमन ठाकुर तथा विशेष अतिथि के रूप में छबि राम साहू शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया गया। इस दौरान योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का स्वागत व अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से सीएल सोनवानी, रविकांत कुंभकार परिवीक्षा अधिकारी, ज्योति साहू, सुशील पारीक, विजय प्रजापति, लखन लाल धीवर, सहित योग प्रशिक्षक वार्ड नं- 03 बबीता सिंघा, वार्ड नं- 06 आर. सी. एच. चंद्रवंशी, वार्ड नं- 16 जागेश्वरी सेन, वार्ड नं- 17 पद्मा गुप्ता, वार्ड नं- 18 अनिता सहारे, वार्ड नं- 20 सुषमा उके, वार्ड नं- 25 होमेन्द्र साहू और लगभग 300 योग साधक गण उपस्थित रहे।

खनिज और ऊर्जा संसाधनों से समृद्ध है छत्तीसगढ़
सीएम साय बोले- नए उद्योग के लिए अपार संभावनाएं

फार्मा, रियल एस्टेट और आईटी क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास और नव उद्यमिता के लिए अपार संभावनाओं से भरा राज्य है। यह राज्य वन, खनिज और ऊर्जा संसाधनों से समृद्ध है और बिजली उत्पादन में सरप्लस राज्यों में शामिल है। इन संसाधनों के चलते यहां उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। सरकार निवेशकों और नव उद्यमियों को हरसंभव सहयोग प्रदान कर रही है, ताकि प्रदेश में आर्थिक विकास और रोजगार के नए अवसरों को प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में फार्मा, रियल एस्टेट और आईटी क्षेत्र के प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, सचिव डॉ. बसवराजू एस, पी दयानंद, राहुल भगत, उद्योग सचिव रजत कुमार और प्रबंध संचालक विश्वेष झा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 लागू की गई है, जिससे निवेशकों के लिए

उद्योग स्थापित करना पहले से अधिक सरल और सुविधाजनक हो गया है। इसके तहत ऑनलाइन आवेदन और त्वरित प्रोसेसिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे निवेश प्रक्रिया पारदर्शी और तेज़ बनी है। इसके अतिरिक्त, 'सिंगल विंडो 2.0' प्रणाली लागू की गई है, जिससे सभी आवश्यक स्वीकृतियाँ आसानी से मिल रही हैं और निवेशकों को किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

औद्योगिक निवेश को लेकर सकारात्मक संवाद

मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक के दौरान उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार उद्यमियों को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक नीति स्पष्ट, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल हैं, जिससे देश-विदेश के उद्योगपतियों को छत्तीसगढ़ में व्यापार स्थापित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने निवेशकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार उनके व्यापार को सफल बनाने में हरसंभव सहयोग देगी। राज्य की नई औद्योगिक पहल प्रदेश को आर्थिक प्रगति और नवाचार के नए दौर में ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित उद्यमियों और निवेशकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें प्रमुख रूप से मैनकाइंड फार्मा से गौरव चौहान, एम्बेसी रीट के सीईओ विकास खडोलिया, यूअरस्टोरी की संस्थापक श्रद्धा शर्मा और मायट्री स्कूल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के फाउंडर रोहित कश्यप शामिल थे।

नए औद्योगिक पार्क से निवेश को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार नए औद्योगिक पार्कों की स्थापना कर रही है, जिससे उद्योगपतियों को आवश्यक बुनियादी ढाँचा और संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे नव उद्यमियों को भी सशक्त वातावरण मिलेगा, जिससे वे अपनी व्यावसायिक यात्रा को मजबूती से आगे बढ़ा सकें। इस पहल से न केवल औद्योगिक इकाइयों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

छत्तीसगढ़ में रिकॉर्ड निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद अब तक छत्तीसगढ़ को 1.23 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। प्रदेश में एआई, आईटी, डाटा सेंटर, फार्मास्युटिकल, रियल एस्टेट और रोबोटिक्स जैसे सेक्टरों को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, छत्तीसगढ़ में पहली बार सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर और एआई आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जो प्रदेश के औद्योगिक विकास में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होंगे।

रायपुर में 11 वें माले से गिरी 12वीं की छात्रा, मौके पर मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 11 एक बिल्डिंग के 11 माले से गिरने से छात्रा की मौत हो गई। 17 वर्षीय छात्रा कक्षा 12वीं में पढ़ती है। शनिवार की रात को बिल्डिंग के नीचे उसकी खून से सनी लाश मिली। सिर फटा हुआ था। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घटना का सीसी टीवी फुटेज सामने आया है जिसमें देखा जा सकता है कि किस तरह छात्रा जमीन से टकराई। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र के ऐश्वर्या अंपायर सोसाइटी का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक छात्रा का नाम अहाना जैन है, जो डीडी नगर में रहती थी। शनिवार को वह घर पर यह बोलकर अपनी एक्टिवा से निकली कि उसकी सहेली का जन्मदिन है। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। रात तक नहीं लौटने पर छात्रा के पिता मनोज जैन ने डीडीनगर थाने में छात्रा की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। इस दौरान सूचना मिली कि ऐश्वर्या अंपायर सोसाइटी की बिल्डिंग के नीचे एक लड़की खून से सनी पड़ी हुई है। आसपास के लोगों ने उठाकर तुरंत अंबेडकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी।

सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जांच के बाद पुलिस ने मृतका की पहचान अहाना जैन के रूप में की। इसके बाद उसके परिजनों को सूचना दी गई। बिल्डिंग के पास छात्रा का एक्टिवा भी पाया गया। बिल्डिंग के 11 वें माले पर ईयरफोन, आईफोन, चश्मा और एक जोड़ी चप्पल पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुरुआती जांच में पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है हालांकि पीएम रिपोर्ट व विस्तृत जांच के बाद खुलासा हो सकेगा कि यह आत्महत्या है या हत्या।

मुख्यमंत्री साय ने की सुरक्षाबलों के साहस की सराहना

बोले- नक्सलवाद के खात्मे की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुकमा मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराने पर सीएम साय ने सुरक्षाबलों के साहस की सराहना की है। उन्होंने कहा है किछत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। सुरक्षाबलों को एक और बड़ी सफलता मिली है, जहां सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर हो गए। वहीं, बस्तर रेंज में बीते 60 दिनों के भीतर 67 हार्डकोर नक्सली मारे गए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सुरक्षाबलों के अदम्य साहस, निष्ठा और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब से छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनी है, नक्सलवाद के खात्मे के लिए चलाए जा रहे अभियान को नई गति और दिशा मिली है। यह लड़ाई अब अपने निर्णायक चरण में है। उल्लेखनीय है कि विगत 13 माह में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के तहत 300 से अधिक नक्सली मारे गए, 985 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और 1177 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं।

2026 तक नक्सलवाद का होगा संपूर्ण खात्मा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का संपूर्ण रूप से अंत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और सुरक्षाबलों की संयुक्त रणनीति से नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार किया जा रहा है। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक नक्सलवाद की समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाती। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार शांति, सुरक्षा और विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रही है, और यह सफलता इसी दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

तापमान में उतार-चढ़ाव जारी, रायपुर-बिलासपुर में दिन का पारा 36 डिग्री के पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। इसके साथ ही मौसम का मिजाज भी बदला हुआ है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी हवाओं के प्रभाव से रात में ठंड का अहसास हो रही है। इसके अलावा सुबह के समय भी नमी हवाओं का असर दिख रहा है। वहीं दिन में तेज धूप के साथ गर्मी है। आज रविवार को राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश में मौसम

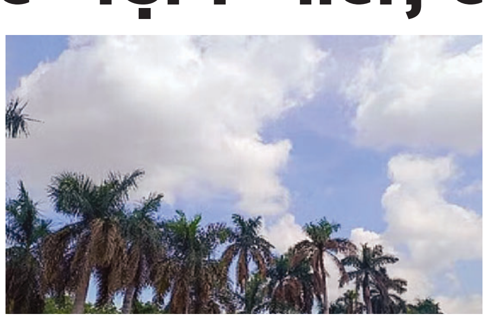

शुष्क रहेगा। शनिवार को तापमान 36 डिग्री से ज्यादा रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आज मौसम शुष्क रहेगा। इसके साथ ही प्रदेश में तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहेगा। मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि उत्तरी भागों में अगले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इसके बाद तीन दिनों में दो से तीन डिग्री की गिरावट हो सकता है। वहीं मध्य भागों में अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री बढ़ेगी। इसके बाद एक से तीन डिग्री गोरावत होने की संभावना है। दूसरी ओर दक्षिण भागों में अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है।

छत्तीसगढ़ में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से तापमान में उतार-चढ़ाव हो रहा है। आगामी दिनों में कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकता है। इसके बाद फिर से तापमान में बढ़ोतरी होगी। मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी हवाओं की वजह से पारा में गिरावट दर्ज की जाएगी। हालांकि एक बार फिर से मौसम में बदलाव की संभावना है। मार्च के शुरुआती दिनों में उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में बदली हो सकता है। प्रदेश में तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। इस बीच आउटर इलाकों में रात को ठंड का एहसास हो रहा है। वहीं दिन में तेज धूप और गर्मी से लोग परेशान हैं।

सड़कों की क्या पप्पी लेनी है

श्रीकंचनपथ

पिछले कुछ सालों में नेताओं की भाषा ऐसी हो गई है कि शर्म आने लगी है। एक तरफ देश सनातन, वैभवशाली अतीत, विश्वगुरू और न जाने किन-किन विषयों की बातें कर रहा है तो दूसरी तरफउसके नेताओं के बोल सुर्खियां बटोर रहे हैं। एक बात चली थी सड़कों को सुन्दर बनाने की। लालू यादव ने कभी कहा था कि वे पटना की सड़कों को हेमा मालिनी के गालों की तरह बना देंगे। लालू का अपना अंदाज था। तब लोगों ने इसे एक्ट्रेस की तारीफके रूप में लिया था। 3 साल पहले महाराष्ट्र के एक मंत्री ने भी ऐसी ही बात कही थी। फिर भाजपा के एक वरिष्ठ नेता विधूड़ी ने हाल में कह दिया कि दिल्ली की सड़कों को प्रियंका के गाल जैसा बना देंगे। इसपर बवाल भी मचा। अब बंगाल के एक भाजपा नेता ने तृणमूल के एक नेता को सड़ा हुआ आलू कह दिया। कोई कांग्रेस को किसानों का खून पीने वाला दानव बता रहा है तो कोई कांग्रेस को खान मार्केट बता रहा है। कोई महिला मुख्यमंत्री के बारे में कह रहा है कि इसने बाप बदल लिया। यह किस तरह की भाषा है? क्या इस अपसंस्कृति के लिए भी पश्चिमी सभ्यता जिम्मेदार है? नहीं! दरअसल, गंदगी लोगों के दिमाग में है। वो पूरी कोशिश करते हैं कि उनके मनोभावों को कोई ताड़ न सके पर समय आने पर जुबान फिसल ही जाती है। शेर की खाल ओढ़ा सियार भी मौका मिलते ही हुआ-हुआ करने लगता है। यह राजनीति की मजबूरी हो सकती है कि कहीं का ईंट कहीं का रोड़ा जोड़कर भानुमती का कुनबा खड़ा करे पर यदि सबसे बड़ी पार्टी का यही हाल रहा तो देश में तमीज नाम की कोई चीज नहीं रह जाएगी। पहले यह नेताओं की भाषा में आएगी और फिर धीरे-धीरे स्कूली पाठ्यक्रम में भी शामिल हो जाएगी। बच्चे तो अभी से पूछने लगे हैं, 'पापा, सड़कों को हिरोइन की गाल जैसा क्यों बनाया जाएगा?' पापा तो चुप ही रहते हैं पर बड़ा भाई बोल पड़ता है, 'नेता इनकी चुम्मी लेंगे।' एक बात तो साफहै कि नेताओं की या तो जुबान फिसल रही है या फिर वे जानबूझकर मीडिया को मसाला दे रहे हैं। अखबार न हुआ, एमडीएच का मसाला हो गया। यह एक बेहद खतरनाक स्थिति है जब बेकार की बातें मीडिया में छाई हुई हैं। एक जमाना था जब ऐसी बातें केवल फिल्मी पत्रिकाओं में चला करती थीं। इसे गॉसिप कॉलम ही कहा जाता था। लोग उसे पढ़कर केवल आनंद लेते थे क्योंकि कलाकार कानून नहीं बनाते। पर अब जो लोग इस तरह की बातें कर रहे हैं वो कानून बनाने वाले लोग हैं। इन लोगों को जनता चुन कर विधानसभा और लोकसभा में भेजती है। फैसला तो जनता को ही करना होगा कि वह धीर गंभीर समझदार लोगों को अपना प्रतिनिधि बनाकर इन सदनों में भेजती है या फिर मसखरों और बिगड़े नवाबों को।

संपादकीय

मकसद एक ही होता है चर्चा में रहना है

जो लोग राजनीति में रहते हैं,उनको चर्चा में रहने का नशा होता है। वह चर्चा में रहते हैं तो लगता है वह बड़े नेता हैं, जानकार नेता हैं। वह दूसरों से ज्यादा जानते हैं। उनके पास दूसरों से ज्यादा जानकारी है।विपक्ष के लोगों का रोज मुश्किल सवाल पूछना समझ में आता है कि वह सरकार को हर क्षेत्र में नाकाम बताना चाहते हैं, यह बताना चाहते हैं कि जनता समस्याओं से परेशान है, और सरकार जनता की परेशानी कम नहीं कर पा रही है, दूर नहीं कर पा रही है। सत्ता पक्ष के लोग भी चर्चा में रहने के लिए जब विपक्ष के सदस्यों से ज्यादा सवाल पूछते हैं तो बरबस लोगों के मन में उठता है कि यह लोग क्यों अपने ही मंत्री को परेशान करते हैं।यह बताने का प्रयास करते हैं, मंत्री से बेहतर और ज्यादा जानकारी तो उनके पास है।

> "सत्ता पक्ष के लोग जब खुद को मंत्री से बेहतर बताने की कोशिश करते हैं तो स्वाभाविक है कि लोगों के मन में सवाल उठेगा ही कि यह ऐसा क्यों कर रहे हैं। राज्य विधानसभा में ऐसा करने वाले जब सीनियर नेता होते हैं, मंत्री रह चुके लोग होते हैं तो लोगों को हैरानी होती है कि जो काम विपक्ष के लोगों को करना चाहिए वह काम तो सत्ता पक्ष के लोग बखूबी कर रहे हैं। सत्ता पक्ष के लोग ही सत्ता पक्ष के मंत्रियों को हंसी का पात्र बना रहे हैं। वह चाहें तो ऐसे सवाल भी पूछ सकते हैं जिससे मंत्री का कार्यकुशलता का परिचय मिले लेकिन वह ऐसे सवाल पूछते हैं कि लगता है कि वह सत्ता पक्ष को,अपने मंत्री को ही नीचा दिखाना चाहते हैं।

यह बताना चाहते हैं मंत्री को आप पद के लायक नहीं है।यह बताना चाहते हैं कि आपको जिसने मंत्री बनाया है, उसने गलती की है। हो सकता है कि वह मुख्यमंत्री को बताना चाहते हों कि नए लोगों को मंत्री बनाने की जगह पुराने लोगों को मंत्री बनाते तो सरकार का विधानसभा में यह हाल नहीं होता। जब कभी भी पुराने लोगों को मंत्री नहीं बनाया जाता है तो उनको बुरा तो लगता ही है। हम दो तीन बार मंत्री रह चुके हैं और आपने हमारी उपेक्षा की है। हम जैसे योग्य आदमी की जगह आपने नए लोगों को मंत्री बनाया है तो अब गलती की सजा भुगतो। स्वाभाविक है कि जो दो बार मंत्री रह चुका है, वह ज्यादा जानकार होता है,उसके पास ज्यादा अनुभव है। वह जानता है कि नए मंत्री को कैसे बताया जा सकता है कि तुमको ज्यादा जानकारी नहीं है, मेरे पास ज्यादा जानकारी है,तुम जितना जानते हो, मैं उससे ज्यादा जानता हूं।

पुराना मंत्री नए मंत्री को खुद के कमतर बताता है तो ही उसको अच्छा लगता है। लेकिन वह भूल जाता है कि जो काम वह कर रहा है,यह उसका काम नहीं है,यह तो विपक्ष का काम है।राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा शुरु होने से पहले विधायक व पुराने मंत्री अजय चंद्राकर ने एक बिंदू पर आपत्ति की।सवाल किया कि अभिभाषण के पृष्ठ 14 में उल्लेख किया गया है कि मेरी सरकार 18 स्थानीय भाषाओं में बच्चों को स्कूलों में पढ़ाई करवा रही है।मैं जानना चाहता हूं।छत्तीसगढ़ में ऐसी कौन सी भाषाएं हैं जिसमें पढ़ाई हो रही है।यह उल्लेख टंकण त्रुटि है या सत्य है।मेरा कहना है कि महामहिम से ऐसा कथन नहीं कहलवाना था।अजय चंद्राकर विधानसभा में इस बात को उठाने की बजाय किसी और जगह सीएम, डिप्टी सीएम से चर्चा कर सकते थे,बता सकते थे कि यह गलती हुई है अभिभाषण में। तब सरकार की गलती की चर्चा सार्वजनिक तो नहीं होती।

सरकार से गलती हुई है और उसके सीनियर विधायक ही ऐसा बता रहे है। इस बात की खूब चर्चा तो होनी ही है। ऐसे में माना तो यही जाएगा कि सीनियर विधायक यही चाहते थे सरकार की गलती की खूब चर्चा हो।सत्ता पक्ष के विधायक चर्चा में बने रहना चाहते हैं तो विपक्ष के नेता भी चाहते हैं कि रोज के अखबार में उनके बारें में कुछ न कुछ तो छपना ही चाहिए तब ही तो दिल्ली के नेताओं को पता चलता है कि यह नेता काम कर रहा है।पुलिस की गाड़ी एक दो बार क्या कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के घर के सामने से गुजरी उन्होंने तो चर्चा में बने रहने के लिए,सरकार पर दवाब डालने के लिए सीधा सरकार पर आरोप लगा दिया कि उनकी जासूसी करवाई जा रही है।

इसी को लेकर विधानसभा में हंगामा हो गया और कांग्रेस ने दिन भर बहिष्कार भी किया। दंतेवाड़ा पुलिस का इस मामले में कहना है कि वह किसी जासूसी करने नहीं आई है वह तो अवधेश गौतम की तलाश में रायपुर आई है। उसका लोकेशन कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के घर के आसपास मिला इसलिए वह उसकी तलाश कर रही थी। ज्ञात हो कि यह अवधेश गौतम ठेकेदार है और दंतेवाड़ा जिला कांग्रेस अध्यक्ष भी है।सड़क निर्माण मे भ्रष्टाचार के मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद से फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। जहां उसके होने का संकेत मिला था, वही पुलिस तलाश कर रही थी। कांग्रेस को तो बहाना चाहिए किसी झूठे मुद्दे को बड़ा मुद्दा बनाने का। वह विधानसभा का दिन भर बहिष्कार कर इसे बड़ा मुद्दा बनाने की सोच चुकी है, कोई आश्चर्य की बात नही होगी यदि कांग्रेस इस मुद्दे पर आनेवाले दिनों में विधानसभा के भीतर के साथ बाहर भी हंगामा करे। एक साल से वह यही कर रही है, इसका असर भले ही दिल्ली दरबार पर पड़ता हो कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता बहुत सक्रिय है,बहुत काम कर रहे हैं लेकिन जनता पर इसका कोई असर नहीं होता है। जनता जानती है कि अच्छा काम कौन कर रहा है भाजपा या कांग्रेस और चुनाव में उसे जिताकर बता भी देती है।

विज्ञान, धर्म, अंधविश्वास और समाज के विकास में वैज्ञानिक सोच की भूमिका महत्वपूर्ण

महेन्द्र सिंह मरपच्ची

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हर साल 28 फरवरी को मनाया जाता है। यह दिन भारतीय वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकटरमन की महान खोज 'रमन प्रभाव' की याद में मनाया जाता है। उनकी इस खोज ने विज्ञान की दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव लाया और भारत को वैश्विक वैज्ञानिक मंच पर पहचान दिलाई। विज्ञान का उद्देश्य तर्क, प्रयोग और अनुसंधान के माध्यम से सत्य की खोज करना है, जबकि धर्म नैतिकता, विश्वास और परंपराओं पर आधारित होता है। भारत में विज्ञान और धर्म दोनों की गहरी जड़ें हैं, लेकिन जब धर्म अंधविश्वास का रूप ले लेता है, तो यह समाज के लिए हानिकारक बन जाता है।

28 फरवरी 1928 को सर चंद्रशेखर वेंकटरमन ने अपनी महान खोज 'रमन प्रभाव' को दुनिया के सामने रखा था। इस खोज के लिए उन्हें 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। विज्ञान के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने 1986 में सरकार से इस दिन को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में घोषित करने का आग्रह किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। इस दिन पूरे देश में विज्ञान से संबंधित कार्यक्रम, प्रदर्शनी, वैज्ञानिक संगोष्ठियाँ और नवाचार प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और लोगों को विज्ञान के महत्व से अवगत कराना रहता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेष लेख

भारत में विज्ञान का ऐतिहासिक विकास

भारत में विज्ञान का विकास प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक लगातार हुआ है। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, नागार्जुन जैसे वैज्ञानिकों ने अपने समय में गणित, चिकित्सा, रसायन और खगोल विज्ञान में महान योगदान दिया। आधुनिक युग में सी.वी. रमन, होमी भाभा, विक्रम साराभाई, एपीजे अब्दुल कलाम जैसे वैज्ञानिकों ने भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। विज्ञान ने कृषि, चिकित्सा, अंतरिक्ष, उद्योग, और शिक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मदद की। हरित क्रांति से भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना, बायोटेक्नोलॉजी से अधिक उपज देने वाले बीज विकसित हुए, और डिजिटल क्रांति से देश में सूचना प्रौद्योगिकी का विस्तार हुआ। इसरो ने चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य एल-1 जैसी परियोजनाओं से भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान में अग्रणी बनाया।

धर्म समाज का नैतिक आधार

धर्म भारतीय संस्कृति और परंपराओं का अभिन्न अंग है। यह समाज में नैतिकता, अनुशासन और शांति बनाए रखने में सहायक होता है। धर्म व्यक्ति को ईमानदारी, सहिष्णुता, करुणा और सत्य जैसे गुण सिखाता है। योग और ध्यान जो धार्मिक परंपराओं से जुड़े हैं, आज वैज्ञानिक रूप् से सिद्ध हो चुके हैं कि यह मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। धार्मिक त्योहार और अनुष्ठान समाज को जोड़ने का काम करते हैं और विभिन्न समुदायों में आपसी भाईचारे और एकता को मजबूत करते हैं।

ज्यादा अंधविश्वास समाज के लिए हो सकता है खतरा

धर्म सकारात्मक दिशा में समाज को मार्गदर्शन देता है, लेकिन जब यह अंधविश्वास का रूप ले लेता है, तो यह समाज के लिए खतरा बन जाता है। अंधविश्वास के कारण वैज्ञानिक सोच की कमी हो जाती है। जैसे ग्रहण के समय भोजन न करना, बिल्ली के रास्ता काटने से अशुभ मानना, नींबू-मिर्च टांगने जैसी गैर-वैज्ञानिक धारणाएँ समाज में गहराई से हुई हैं। झूठे इलाज और तंत्र-मंत्र पर विश्वास करने से लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए डॉक्टर की बजाय झाड़-फूंक, ओझा, बाबा या तांत्रिक के पास जाते हैं, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। महिलाओं और कमजोर वर्गों को अंधविश्वास का सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई इलाकों में 'चुड़ैल' बताकर महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है। आर्थिक रूप् से भी यह समाज के लिए नुकसानदायक होता है क्योंकि लोग ज्योतिषियों, तांत्रिकों और बाबाओं को भारी रकम देकर अपने भविष्य को सुधारने की कोशिश करते हैं, जो अक्सर धोखाधड़ी साबित होती है।

भारत में ही नहीं विश्व स्तर पर अंधविश्वास की स्थिति बढ़ती है

अंधविश्वास सिर्फभारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्व भर में मौजूद है। अफ्रीकी देशों में जादू-टोना और काले जादू में विश्वास कई लोगों की जान ले लेता है। चीन में फेंग शुई पर अत्यधिक विश्वास होने के कारण वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने से बचा जाता है। अमेरिका और यूरोप में एस्ट्रोलजी और टैरो कार्ड जैसी प्रथाएं वैज्ञानिक सोच को प्रभावित करती हैं।

ट्राइबल समाज के प्राकृतिक रीति-रिवाजों का वैज्ञानिक महत्व

भारत के विभिन्न ट्राइबल समुदायों, जैसे गोंड, संथाल, भील, बैगा, मुरिया, और अन्य जनजातियों का जीवन पूरी तरह से प्रकृति पर निर्भर करता है। उनके रीति-रिवाजों और परंपराओं में कई वैज्ञानिक तत्व शामिल होते हैं, जिन्हें आधुनिक विज्ञान भी मान्यता देता है। जनजातीय समाजों में वर्षा जल संग्रहण और जल स्त्रोतों के संरक्षण की अत्यंत प्रभावी परंपराएँ हैं। राजस्थान के भील समुदाय पारंपरिक 'टांका' जल संग्रहण प्रणाली का उपयोग करते हैं। छत्तीसगढ़ और झारखंड के जनजातीय समुदाय कुंड, बावड़ी और प्राकृतिक झरनों को साफ रखते हैं। गोंड जनजाति 'चाल-खाल' तकनीक से भूजल स्तर बनाए रखते हैं। झूम खेती और मिश्रित फसलें मृदा की उर्वरता बनाए रखती हैं। बीजों का प्राकृतिक संरक्षण आधुनिक जैविक कृषि के लिए आदर्श उदाहरण है। 'सरना स्थल' (झारखंड) और 'देवगुड़ी' (छत्तीसगढ़) जैसे पवित्र स्थल वनों को संरक्षित रखते हैं। यह वनस्पतियों और जीवों की जैव विविधता को बनाए रखने में सहायक होता है। बैगा, गोंड, और अन्य जनजातियाँ आयुर्वेदिक और प्राकृतिक उपचार विधियों में निपुण हैं। हल्दी, गिलोय, अश्वगंधा, और तुलसी जैसी औषधियाँ आधुनिक चिकित्सा में भी उपयोगी हैं।

वैज्ञानिक सोच और परंपराओं का संतुलन ही भविष्य का मुख्य मार्ग

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह विज्ञान की शक्ति को समझने और उसे जीवन में अपनाने का अवसर प्रदान करता है। विज्ञान, धर्म, पारंपरिक ज्ञान और आदिवासी समाज के प्राकृतिक रीति-रिवाजों को एक साथ जोड़कर भारत को सतत विकास और वैज्ञानिक सोच की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। विज्ञान और परंपरा का सही तालमेल ही भविष्य का रास्ता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

महाकुंभ की सफलता ने दुनिया को चौंकाया

ललित गर्ग

समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हुए दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक-धार्मिक समागम महाकुम्भ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 66 करोड़ का आंकड़ा पारकर अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रच दिया। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया, इस महारिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुम्भ को संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया, जो न केवल दुनिया को चौंकाने वाला बल्कि सनातन परम्परा का परचम फहराने वाला दुनिया का अकेला आयोजन बन गया है। इस सफल आयोजन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ गया है। इस महा अनुष्ठान ने पूरे विश्व को सनातनी एकता का संदेश तो दिया है, यह भी प्रमाणित किया है कि उत्तर प्रदेश अब हर स्तर पर सक्षम प्रदेश बन चुका है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को एक नये अध्याय के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित यह मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समता का महापर्व बना, जो न केवल अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण बना बल्कि दुनिया में भारत की एक नई छवि, भीड़ प्रबंधन, सनातन एकता के लिये अमिट आलेख बन गया है। सनातन गहराई को मापने वालों को बधाई, इससे नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी हिन्दू संस्कृति पुनः अपने मूल्यों एवं संगठन के साथ नई शक्ल एवं ताकत के रूप में प्रतिष्ठापित होगी।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धर्माचार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। अमेरिका आबादी से दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुणा से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां आये हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इतनी भीड़ नहीं जुटी है। उदाहरण के लिए सऊदी अरब में हर साल होने वाले हज में करीब 25 लाख मुस्लिम मक्का में एकत्रित होते हैं। दूसरी तरफइराक में हर साल होने वाले अरबईन में दो दिन में 2 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री जुटते हैं। प्रयागराज में 45 दिन में जुटे श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया के 231 देशों की आबादी से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी ही प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या से ज्यादा है।

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये अब जागरूक एवं संगठित नहीं होगा तो कब होगा?

प्रयागराज महाकुंभ लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं देखकर दुनिया भौचक रह गयी। भीड़ प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटिलेंजेंस का उपयोग और ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम से संदिग्धों पर निगाह रखना भविष्य की पुलिसिंग की तस्वीर प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि विश्व के कई देशों के विशेषज्ञ यहां भीड़ प्रबंधन पर शोध करने पहुंचे हैं। इतने बड़े आयोजन में एक दो घटनाएं इतनी महत्वपूर्ण नहीं, जितना यह कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु उल्लास और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो लौटा। महाकुंभ ने उन सभी स्थानों के लिए एक मानदंड प्रस्तुत किया है, जहां कुंभ अर्धकुंभ के आयोजन होने हैं। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है। ऋग्वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, पुराण और स्मृतियां हमारे सांस्कृतिक आधारस्तंभ है। यहीं से वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे महान विचार जन्म लेते हैं। यदि हम इतिहास को देखें, तो भारत में वैदिक काल से ही हिंदू संस्कृति का वर्चस्व रहा है। मौर्य, गुप्त, चोल, मराठा और अन्य हिंदू राजवंशों ने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखा। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासनों के बावजूद, हिंदू समाज अपनी जड़ों से कभी नहीं हटा। भारत को हिन्दू राष्ट्र कहने का अर्थ यह नहीं है कि यहां अन्य धर्मों के लिए स्थान नहीं है। हिंदू संस्कृति सदैव सर्वसमावेशी रही है।

(ये लेखक के विचार हैं)

एक फिट और स्वस्थ भारत की समस्या ओबेसिटी

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन में भारतीय लोगों के स्वास्थ्य को लेकर निरंतर कदम उठाते हुए स्वस्थ भारत निर्मित करने के उपक्रम किए हैं। मोदी युग में स्वास्थ्य के प्रति भारत के दृष्टिकोण में महत्त्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित करते हुए मोटापे से जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने पर अधिक ध्यान दिया गया। मोदी ने मोटापे के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है, जिसमें भारतीयों से खाना पकाने के तेल की अपनी खपत कम करने का आग्रह किया है।

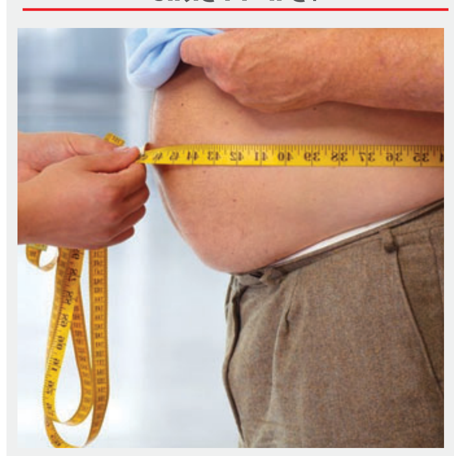

प्रधानमंत्री मोदी ने 23 फरवरी को मन की बात' के 119वें एपिसोड में हेल्थ का जिक्र करते हुए कहा था, एक फिट और स्वस्थ भारत बनने के लिए हमें ओबेसिटी (मोटापा) की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक, आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। बीते सालों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है।'

प्रधानमंत्री ने सेहत के प्रति जागरूकता लाने और इस क्रम में मोटापे से लडने् के लिए अपने-अपने क्षेत्र के दस जाने-माने लोगों को नामांकित कर यही रेखांकित किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझने एवं समय रहते इसको नियंत्रित करने की अपेक्षा है। उन्होंने आनंद महिंद्रा, दिनेश लाल यादव निरहुआ, मनु भाकर, मीराबाई चानू, मोहन लाल, नंदन नीलेकणि, उमर अब्दुल्ला, आर. माधवन, श्रेया घोषाल, सुधा मूर्ति को नामांकित करते हुए अपेक्षा जताई कि ये सभी मोटापे के खिलाफ क्रांति की अलख जगाने के साथ खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने इन लब्ध प्रतिष्ठित हस्तियों से दस-दस और लोग अभियान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नामांकित करने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री की यह पहल कुछ वैसी ही है, जैसी उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान को प्रारंभ करते समय की थी। इस जनोपयोगी पहल से देश में मोटापे के प्रति चेतना जाग्रत होगी और लोग मोटापे को नियंत्रित करने में सफल होंगे। लोगों में मोटापा बढने् के कई कारण हैं, जिनमें अति, अहितकर और प्रतिकूल भोजन के अलावा व्यायाम की कमी और तनाव शामिल हैं। पोषण में सुधार, गतिविधि बढ़ाने और जीवन शैली में अन्य बदलाव करने से लोगों को मोटापे को कम करने में मदद मिल सकती है। मोदी की पहल से मोटापा नियंत्रित करने के अनुकूल परिणाम तभी सामने आ सकते हैं, वांछित सफलता तभी संभव है, जब लोग समझेंगे कि स्वस्थ जीवन शैली उन्नत राष्ट्र ही नहीं, उन्नत स्वास्थ्य का भी आधार है।

आज की सुविधा एवं भौतिकतापूर्ण जीवन शैली मोटापा बढ़ाने का काम कर रही है। अब लोग उतना शारीरिक श्रम नहीं करते, जितना पहले अपनी सामान्य दिनचर्या के तहत किया करते थे। मोटापे को नियंत्रित करने में योग, ध्यान, प्रातःभ्रमण एवं व्यायाम की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। किसी विचारक ने लिखा भी है, %मनुष्य के सबसे बड़े चिकित्सक हैं-शांति, प्रसन्नता और खुराक।' यह हकीकत है कि लोग खानपान में संयम एवं सतर्कता बरतें, शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं और योग-व्यायाम को जीवन का हिस्सा बना लें तो मोटापे को भगा सकते हैं।

मोटापा अनेक बीमारियों का घर है, जो केवल कार्यक्षमता को कम करने का ही काम नहीं करता, बल्कि स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ाता है। जीवन को जटिल एवं अस्त-व्यस्त बना देता है। शरीर स्वस्थ रहता है, तो लोग मानसिक एवं भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रहते हैं, और अपना काम कहीं अधिक तत्परता एवं निपुणता से करते हैं। इसका लाभ केवल उन्हें ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और देश को भी मिलता है। यही सशक्त एवं विकसित भारत का आधार भी है। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वस्थ जीवन शैली की जरूरत को समझा, लेकिन इसके लिए जागरूकता अभियान छेडने् के साथ ही मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री की बिक्री रोकने के लिए भी कुछ करना होगा।

मोदी की पहल जहां स्वास्थ्य क्रांति का माध्यम बनेगी, वहीं मिलावट नियंत्रण के प्रति भी जागरूक करेगी। किसी से छिपा नहीं है कि देश में मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री बनती एवं बिकती है। खाद्य पदाथरें की गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी के चलते दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री घरों में भी इस्तेमाल होती है। इनमें खाद्य तेल एवं घी प्रमुख हैं। आज जब बाजार का खाना खाने का चलन बढ़ रहा है, तब सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी शुद्धता एवं गुणवत्ता से कोई समझौता न होने पाए। इसी अभिक्रम से भारत का जन-जन स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ भावनाओं का अखूट वैभव लिए शक्ति, स्फूर्ति, शांति, आनन्द एवं शारीरिक संतुलन से भरपूर दिव्य जीवन की यात्रा के लिए प्रस्थित हो सकता है। इससे हम मोटापा-मुक्त भारत के संकल्प को हकीकत बना सकते हैं। स्वस्थ भारत का संकल्प ही कालांतर विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reastaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

KJ कांतिलाल ज्वेलर्स
सोने, चांदी एवं गोल्ड ज्वेलरी के निर्माता एवं विक्रेता
सदर बाजार, दुर्ग, 0788-2210274, 4038274
40 आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, फोन: 4060274
Kantilal_jewel@yahoo.com

विशाल ज्वेलर्स
BIS 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे

Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क – शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र वालीबॉल प्रतियोगिता 2024-25 के लिए बीएसपी टीम हेतु चयन स्पर्धा

भिलाई। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा एस.पी.एस.बी. अंतर इस्पात संयंत्र वालीबॉल प्रतियोगिता 2024–25 का आयोजन, बोकारो में 18 मार्च से 20 मार्च 2025 तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम का चयन क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा की जा रही चयन स्पर्धा के माध्यम से किया जाएगा। इस चयन स्पर्धा का आयोजन 05 मार्च 2025 को संध्या 06:30 बजे से भिलाई इस्पात संयंत्र के वालीबॉल ग्राउंड, पंत स्टेडियम, सेक्टर–1 में किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिक, उनके परिवारजन और भिलाई परिधीय क्षेत्र के बेरोजगार युवा खिलाड़ी इस चयन स्पर्धा में भाग ले सकते हैं। इस चयन प्रक्रिया के माध्यम से बी.एस.पी. वालीबॉल टीम के लिए योग्य खिलाड़ी का चयन किया जाएगा। चयन स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी अपना पंजीकरण 05 मार्च 2025 को संध्या 06:00 बजे तक चयनकर्ता दीपक मित्रा एवं अजय कुमार सोनी के पास करवा सकते हैं। इस चयन स्पर्धा के प्रभारी, उप प्रबंधक अभिजीत भौमिक होंगे। सभी इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण कर लें।

सेल वालीबॉल चैंपियनशिप में बोकारो स्टील प्लांट ने हासिल किया चैंपियनशिप का खिताब

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में क्रीडा, सांस्कृतिक और नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा, वॉलीबॉल कॉम्प्लेक्स, पंत स्टेडियम, सेक्टर–01, भिलाई में चल रहे सेल वालीबॉल चैंपियनशिप 2024–25 का पुरस्कार वितरण समारोह 28 फरवरी, 2025 को देर संध्या आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच भिलाई इस्पात संयंत्र और बोकारो स्टील प्लांट के बीच खेला गया, जिसमें बोकारो ने भिलाई इस्पात संयंत्र को सीधे सेटों में पराजित कर 2024–25 की सेल वालीबॉल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। बोकारो स्टील प्लांट ने पहले सेट में 25–13 और दूसरे सेट में 25–14 से भिलाई इस्पात संयंत्र को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र उपविजेता के रूप में सम्मानित हुआ। सेल वालीबॉल चैंपियनशिप 2024–25 का आयोजन 25 से 28 फरवरी, 2025 तक किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पंडा थे। समारोह में विशेष अतिथि के रूप में, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, ऑफिसर्स एसोशियेशन के अध्यक्ष एवं सेफी के चेयरमैन एन के बंछोर, डीएसपी हेम प्रकाश नायक, महाप्रबंधक संजय द्विवेदी, महाप्रबंधक एच शेखर और महासचिव परविंदर सिंह मौजूद थे। इस प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर दुर्गापुर स्टील प्लांट रहा। यह मैच दुर्गापुर और इसको स्टील प्लांट (आईएसपी) बर्नपुर के बीच खेला गया। दुर्गापुर ने (2–1) अंक से यह प्रतियोगिता जीतते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहले सेट में 25–16 से, दूसरे सेट में 18–25 से और तीसरे सेट में 15–13 से जीत दर्ज कर दुर्गापुर ने तीसरे स्थान पर विजय प्राप्त की। ज्ञात हो सेल वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2025 के उद्घाटन के पश्चात पहला मैच बोकारो इस्पात संयंत्र और दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के बीच मैच खेला गया।

शपथ के बाद पहली बैठक में महापौर अलका बाघमार ने कहा -

पार्षदों व जनता के सुझावों से उनकी मूलभूत सुविधाओं के लिए काम होगा प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नवनिर्वाचित महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने नगर निगम अपने कक्ष पर आयुक्त सुमित अग्रवाल और अधिकारियों के साथ पहली बैठक लेकर कामकाज शुरू किये।इस पहली बैठक में महापौर ने कहा कि जनता के सुझावों से जनता की सुविधाओं के लिये काम होगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम अधिकारी अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहें तो रेवेन्यू अपने आप जनरेट होगी।

महापौर ने सभी अधिकारियों से कहा वार्डो में जलसंकट को लेकर जलसंकट पर संज्ञान लें महापौर ने बैठक में अधिकारियों को निगम के मूलभूत कार्यो पर विषेष ध्यान देकर फोकस करने के निर्देश दिये।नगर निगम के कार्यो की मूलभूत आवश्यकता शहर में सफाई हो, पेयजल, सडक बत्ती संबंधी कार्यो को प्राथमिकता देने कहा। महापौर ने कहा कि दुर्ग शहर में सफाई और पेयजल के कार्यो को प्राथमिकता में रखकर कार्य करें, नगर निगम के मूलभूत कार्यो पर विषेष ध्यान देकर फोकस करने के निर्देश,प्रतिदिन बाजार क्षेत्रो में रात्रिकालीन में साफ सफाई व्यवस्था बनाये। नागरिको व दुकानदरों द्वारा कचरा फेंकते पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग तत्काल वीडियो बनकर फाइन करेंगे।

60 वार्डो के सुपर वाइजरो को हिदायत सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखें, ढिलाई करने वाले सुपर वाइजरो पर कार्रवाही करने के निर्देश दिए।इस दौरान पार्षद देवनारायण चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर,श्रीमती हर्षिका जैन,पार्षद अब्दुल खालिक,कार्यपालन अभियंता मोहनपुरी गौस्वामी,दिनेश नेताम,आरके जैन,वीपी मिश्रा,गिरीश दीवान,राजेन्द्र ढाबाले,इसके केवलानी,धर्मेंद्र मिश्रा,थानसिंग यादव,अनिल सिंह,संजय मिश्रा सहित आदि मौजूद रहें।

महापौर अलका बाघमार ने कहा गर्मी में पानी की समस्या नागरिको को न हो,इसके पहले से छुटे हुए वार्डो में पाइप लाइन व्यवस्थित करे,सफाई व्यवस्था पर औचक निरीक्षण किया जाएगा।बैठक में बजट की तैयारी यो को लेकर चर्चा भी की गई, नगर निगम के चतुर श्रेणी कर्मचारियों का पहले भुगतान किया जाए।शहर के बड़े एवं छोटे–वार्डों के हिसाब से सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था की जाए। एसएलआरएम सेंटर को प्रतिदिन क्लीन किया जाए,प्रतिबंध पॉलिथीन पर कार्रवाही करने के निर्देश दिए।शहर में प्रतिदिन दो बार दो वार्डों का निरीक्षण किया जाएगा।

वार्डो में समस्याओं का निरीक्षण कर सुधार करें, शहर कर बड़े बिल्डिंग की नियमितीकारण की जांच करें,कर राजस्व में बढ़ोतरी पर चर्चा की गई। शहर भवनो में वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य हो।

आयरन जोन में अंतर विभागीय सुरक्षा प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में अंतर विभागीय सुरक्षा प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक ए के दत्ता, मुख्य महाप्रबंधक राजीव पांडे एवं महाप्रबंधक प्रभारी एस के अग्रवाल सहित संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कोकओवन, ब्लास्ट फर्नेस, सिंटर प्लांट, ओएचपी, पीबीएस, एलडीसीपी के कर्मचारीगण उपस्थित थे।

आयरन जोन के छह विभागों में तीन दिवसीय अंतर विभागीय सुरक्षा प्रतियोगिता के अंतर्गत ठेका श्रमिकों के लिए फुल बॉडी हार्नेस प्रतियोगिता, स्किट, टूल बॉक्स टॉक, सुरक्षा गीत और कविता, अग्निशमन प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन का उद्देष्य रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के माध्यम से ठेका श्रमिकों में सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना, सुरक्षित कार्य प्रथाओं के महत्व को समझाना और उन्हें अपने दैनिक कार्यों में लागू करने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के उद्घाटन के पष्चात 'फुल बॉडी हार्नेस प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को ऊंचाई पर कार्य करने के लिए प्रशिक्षण के साथ समग्र कार्यस्थल सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया। सुरक्षा प्रतियोगिता का उद्देष्य श्रमिकों को सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग के बारे में प्रषिक्षित करना है। फुल बॉडी हार्नेस प्रतियोगिता न केवल श्रमिकों की सुरक्षा में सुधार करती है, बल्कि कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाने में भी मदद करती है। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और अंतर विभागीय सुरक्षा प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भाग लेकर अपने जागरूकता, ज्ञान और कौशल में वृद्धि करने हेतु प्रेरित किया।

संजीवनी आवासीय छात्रावास की बालिकाओं को मिले वार्षिक परीक्षा से पहले उपहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामाजिक संगठन गोल्डन एम्पथी (जीई) फ उंडेशन की ओर से शासकीय संजीवनी बालिका आवासीय छात्रावास दुर्ग में वार्षिक परीक्षा से तैयारी को लेकर मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही छात्राओं के बीच परीक्षा के लिए जरूरी सामग्री का वितरण भी किया गया। छात्राओं ने वादा किया कि सभी पूरा मन लगाकर परीक्षा की तैयारी करेंगी और अव्वल आएंगी।

शुरूआत में जीई फाउंडेशन की ओर से समन्वयक प्रदीप पिल्लई ने बालिकाओं से संवाद करते हुए परीक्षा की तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने तनाव रहित होकर तैयारी करने और पूरे धैर्य के साथ पेपर हल करने कुछ जरूरी टिप्स दिए। फाउंडेशन की ओर से इस दौरान बालिकाओं को पेन, पेंसिल, इरेजर, कटर, स्केल सहित जरूरी सामग्री दी गई।

प्रदीप पिल्लई ने घोषणा की कि बेहतर अंक लाने वाली बालिकाओं को जीई फाउंडेशन की ओर से विशेष उपहार दिए जाएंगे। इस दौरान सहायक परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा दुर्ग गीता शर्मा, संजीवनी बालिका छात्रावास की अधीक्षक धनेश्वरी साहू और श्रीमती ऋतु मेश्राम (लेखापाल)सहित जीई फाउंडेशन की ओर से अजीत सिंह भी उपस्थित थे।

फरवरी 2025 में ब्लास्ट फर्नेस विभाग द्वारा रिकॉर्ड-तोड़ उपलब्धियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग ने अपनी उत्पादकता और दक्षता को निरंतर बनाए रखते हुए, फरवरी 2025 में कई रिकॉर्ड–तोड़ उपलब्धियां हासिल कीं है, जो विभाग के समर्पण, नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता को रेखांकित करता है।

विभाग ने 2.04 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन की दर से रिकॉर्ड करते हुए अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादकता हासिल की, जो जनवरी 2020 में स्थापित 2.012 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन की दर से अपने पिछले रिकॉर्ड को पार कर गई। इसके अतिरिक्त, 28 फरवरी, 2025 को विभाग ने चार फर्नेस ऑपरेशंस के साथ 18,515 टन के प्रभावशाली हॉट मेटल उत्पादन करते हुए अपना अब तक का उच्चतम रिकॉर्ड दर्ज किया था। इस रिकॉर्ड ने 27 फरवरी 2025 को 18,417 टन के उत्पादन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड स्थापित किया है।

फरवरी 2025 में ब्लास्ट फर्नेस–8 (बीएफ–8) ने 2.32 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन की नई मासिक उत्पादकता का रिकॉर्ड स्थापित किया, जो फरवरी 2024 में हासिल किए गए 2.229 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन के पुराने रिकॉर्ड को पार कर गया। इसके अलावा, विभाग ने अपने सर्वश्रेष्ठ मासिक बीएफ– शॉप कोक दर 425 किलोग्राम प्रति टीएचएम भी हासिल की, जो फरवरी 2019 में स्थापित 447 किलोग्राम प्रति टीएचएम के रिकॉर्ड से बेहतर थी।

विभाग की दक्षता के परिणामस्वरूप मासिक सीडीआई दरों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ। ब्लास्ट फर्नेस–6 (बीएफ–6) ने 118 किलोग्राम प्रति टीएचएम तक पहुंच गया, जो फरवरी 2023 में बनाये 117 किलोग्राम प्रति टीएचएम के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर थी। पूरे शॉप ने 120 किलोग्राम प्रति टीएचएम की दर हासिल की, जो फरवरी 2024 में दर्ज 118 किलोग्राम प्रति टीएचएम के पुराने रिकॉर्ड को पार कर गई। शॉप उत्पादन क्षमता के मामले में विभाग ने अब तक का सबसे उच्चतम 2.040 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन का रिकॉर्ड स्थापित किया, जो फरवरी 2020 में बनाये गए 1.954 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से बेहतर था।

कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शॉप फ्लोर का दौरा किया और टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनकी सराहना की और बधाई दी। उन्होंने इस सफलता का श्रेय, टीम के अटूट आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प को दिया। श्री राकेश कुमार ने कहा कि जब उत्पादन लक्ष्यों को प्रेरणा के रूप में देखा जाता है, तो सफलता की कोई सीमा नहीं होती। उन्होंने सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि हमें ऐसा उत्पादन करना चाहिए, जो सुरक्षा से समझौता किए बिना हासिल किया गया हो। उल्लेखनीय है कि मौजूदा अभियान के हिस्से के रूप में, बीएफ–7 ने 2.01 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन की अपनी उच्चतम उत्पादकता दर्ज करके प्रदर्शन में बड़ी छलांग लगाई है, जो दिसंबर 2024 में हासिल किए गए 1.80 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी बेहतर है। इसी तरह, बीएफ–6 भी 1.83 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन की अपनी चरम उत्पादकता पर पहुंच गया है, जिसमें 2,711 टन प्रतिदिन (टीपीडी) का दैनिक हॉट मेटल उत्पादन हुआ है, जो 1.78 टन प्रति घन मीटर प्रति दिन के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया है।

कार्यस्थल सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु ठेका कर्मचारियों के लिए अंतर-विभागीय सुरक्षा प्रतियोगिताएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने और कर्मचारियों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, आयरन जोन द्वारा विभिन्न विभागों के ठेका कर्मचारियों (कांट्रेक्ट वर्कर्स) के लिए, अंतर–विभागीय सुरक्षा प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इस आयोजन में सिंटरिंग प्लांट्स, ओएचपी, पीबीएस, कोक ओवन, एलडीसीपी और ब्लास्ट फर्नेस आदि विभिन्न विभाग शामिल थे।

यह पहल, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार के मार्गदर्शन में की गई। 28 फरवरी 2025 को एचआरडीसी हॉल में इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कुल 18 पुरस्कारों का वितरण किया गया। यह प्रतियोगिता 25 से 27 फरवरी, 2025 तक श्री तापस दासगुप्ता के नेतृत्व और देख–रेख में आयोजित की गई। आगामी समय में इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ स्टील जोन और मिल्स जोन में भी आयोजित की जाएंगी।

अपने संबोधन में राकेश कुमार ने सुरक्षा अभ्यासों में अतिरिक्त प्रयास करने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, ''थोड़ा सा अतिरिक्त पसीना बहाकर, हम आँसू या खून की एक बूंद भी गिरने से बचा सकते हैं।'' उन्होंने सभी से 360 डिग्री निगरानी रखने और किसी भी असुरक्षित कार्य प्रथाओं के बारे में सम्बंधित अधिकारियों और वरिष्ठ प्रबंधन को सूचित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, हाउसकीपिंग और दैनिक कार्यों में तकनीकी अनुशासन से शून्य दुर्घटना बनाये रखने में मदद मिलेगी और यह कदम हमे अंततः खुशहाली की ओर ले जायेगा।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कई श्रेणियाँ रखी गईं थी, जिनमें सुरक्षा गीतध्कविता प्रतियोगिता, सुरक्षा नाटक प्रतियोगिता, अग्निशमन दक्षता प्रतियोगिता, टूलबॉक्स टॉक प्रतियोगिता, सुरक्षा क्विज प्रतियोगिता और फुल बॉडी हार्नेस दक्षता प्रतियोगिता शामिल थीं। इन सभी श्रेणियों में ठेका कर्मचारियों ने भाग लिया और अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने अपनी सजगता को व्यक्त किया।

28 फरवरी 2025 को एचआरडीसी हॉल में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कुल 18 पुरस्कारों का वितरण किया गया। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विभागों के मुख्य महाप्रबंधकगण और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता में विभिन्न एजेंसियों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस पहल की सराहना की और इसे सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम माना। प्रतिभागी विभागों में सिंटरिंग प्लांट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक पुरस्कार प्राप्त किए, इसके बाद ब्लास्ट फर्नेस का स्थान रहा। सुरक्षा नाटक प्रतियोगिता में सिंटरिंग प्लांट्स की टीम ने अपने छह ठेका कर्मचारियों के समूह के साथ ''सुरक्षा बाबा'' नाटक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। ब्लास्ट फर्नेस टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि सीओ–सीसीडी टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में, सिंटरिंग प्लांट्स की टीमों ने पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि ब्लास्ट फर्नेस विभाग ने इसमें तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन एक पैनल द्वारा किया गया, जिसमे महाप्रबंधक आर सोनटके, महाप्रबंधक सिम्मी गोस्वामी, महाप्रबंधक बोन्या मुखर्जी, महाप्रबंधक अनुपमा कुमारी, और महाप्रबंधक एस के महतो शामिल थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 - 22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

शंकर नगर में श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 7 से 9 मार्च तक

रायपुर। युगतुलसी रामकिंकर महाराज की ह्दयात्मजा कथा व्यास दीदी मां मंदाकिनी की श्रीमुख से श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 7 से 9 मार्च 2025 को सिंधु पैलेस शंकरनगर, बीटीआई मैदान के सामने किया गया है। श्रीरामकिंकर आध्यात्मिक मिशन की ओर से बताया गया है कि कथा प्रति दिन शाम को शाम 6.30 से 8.30 बजे तक होगा। इससे पूर्व शाम को 5.30 से 6.30 बजे तक भक्ति संगीत होगी।

महीनों से रूकी हुई थी सैलरी, कॉल करते ही 10 दिनों के भीतर पहुंची खाते में

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर आम जनता की समस्या का समाधान हो रहा है और उन्हें राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में रायपुर जिले में कलेक्टोरेट में जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर की शुरूआत की गई है। राजधानी की जोरा निवासी सुश्री अंकिता तिवारी को कॉल सेंटर के नंबर पर अपनी समस्या दर्ज कराने के दस दिनों के भीतर ही समाधान हो गया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इसके लिए धन्यवाद दिया है।

आवेदक सुश्री अंकिता तिवारी नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन नया रायपुर में कार्यरत थी। इनकी परिस्थापना इस संस्था के माध्यम से फॉर्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन स्कीम के तहत गरियाबंद के फिंगेश्वर ब्लॉक के सहकारिता बैंक में पदस्थ थी। सुश्री तिवारी ने बताया कि 18 महीने की वेतन नही मिला था। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम के कलेक्टोरेट कॉल सेंटर के नंबर की जानकारी मिली। उन्होंने उक्त नंबर पर फोन कर अपनी समस्या बताई। उसके बाद कॉल सेंटर में संबंधित संस्था से चर्चा कर प्रक्रिया की गई और कुछ दिनों के भीतर आवेदिका के खाते में सैलरी भेज दी गई। जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई बहुत अच्छी पहल है। उन्हें बड़ी खुशी हुई कि इतने कम समय में जल्द राहत मिल गई।

छत्तीसगढ़ में दिख रहे सतत विकास के संकेतक: संभागायुक्त कावरे

विकास के मायने आम आदमी के जीवन में परिवर्तन लाना : कलेक्टर डॉ सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। न्यू सर्किट हाउस में सतत विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसको संबोधित करते हुए संभागायुक्त महादेव कावरे ने कहा कि सतत विकास का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए सामाजिक और आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य बन सके। श्री कावरे ने कहा कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ के साथ दो अन्य राज्यों का गठन हुआ था। नए राज्य के उदय के साथ यह विकास की संभावनाएं बनी। छत्तीसगढ़ विविध संसाधनों से परिपूर्ण है और अलग-अलग क्षेत्र में प्रगति होने लगी। उन्होंने कहा कि जब हम राजधानी रायपुर के साथ आसपास के अन्य शहरों में देखते हैं तो दूर-दूर तक पक्के मकान दिखते हैं। यह सब हमारे छत्तीसगढ़ में हो रहे विकास के संकेत हैं।

राज्य नीति आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमण्यम ने एसडीजी के विभिन्न आयामों को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, जलवायु परिवर्तन, लैंगिक समानता और आर्थिक विकास जैसे प्रमुख डीजी विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एसडीजी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जिलास्तर पर ठोस रणनीतियाँ और बहु-क्षेत्रीय समन्वय आवश्यक है।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने कहा कि सतत विकास में सतत का अर्थ निरंतर होता है। ऐसा विकास जो निरतंर हो। विकास का लक्ष्य आम आदमी होना चाहिए। यह सही मायने में तभी होता है जब उनके तक पहुंचे। जिससे उनके जीवन में परिवर्तन परिलक्षित हो। उन्होंने कहा कि सतत विकास के मायने है कि वर्तमान की जरूरतों के साथ लक्ष्यों को पाने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना की आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताएं भी पूरी हो सके। प्रशासन के अधिकारियों को इस दिशा में ही कार्य करना चाहिए। असमानताएं कम करने का प्रयास करते हुए अच्छा स्वास्थ्य, गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा तथा मानव के अच्छे जीवन स्तर को बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। कार्यशाला में डॉ. गौरव कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में सतत प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य और जिला स्तर पर एसडीजी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्धता और नवाचार की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में राज्य नीति आयोग की टीम द्वारा सतत विकास लक्ष्य अंतर्गत की गई कार्यवाही, अनुश्रवण व अनुशीलन के लिए निर्धारित जिला स्तरीय फ्रेमवर्क डिस्ट्रिक्ट इंडिकेटर फ्रेमवर्क के बारे में जानकारी दी गई। राज्य नीति आयोग द्वारा एस डी जी मॉनिटरिंग में विभाग व जिलों को सहायता हेतु तैयार किए गए आईटी टूल एसडीजी डैशबोर्ड के फीचर्स व उपयोगिता के संबंध में हैंडस आन प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन रायपुर और राज्य नीति आयोग, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें संभाग के विभिन्न जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों, विभागीय प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राज्य नीति आयोग के सदस्य सचिव डॉ. नीतू गोर्डिया उपस्थित थे।

घर में महिलाओं को पूजा पाठ की सही विधि और तरीके पता होने चाहिए: चेतन

कुलदेवता पूजन, अभिषेक और गणेश पूजा पर हुई महाराष्ट्र मंडल में हुई कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों में संस्कार मां से आते है, इसलिए आज के परिवेश में यह बेहद जरूरी है कि घर में महिलाओं को पूजा पाठ की सही विधि और तरीके पता होने चाहिए। आपकी पूजा विधि बिल्कुल सही होगी, तो बच्चों में आपके संस्कार खुद- ब- खुद आ जाएंगे। महाराष्ट्र मंडल के सचिव आचार्य चेतन गोविंद दंडवते ने महाराष्ट्र मंडल में कुलदेवता पूजन, अभिषेक और गणेश पूजा पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन अवंती विहार, शंकर नगर और देवेंद्र नगर महिला केंद्र की ओर से किया गया। इसमें महाराष्ट्र मंडल के सभी 16 केंद्रों की महिलाएं शामिल हुईं।

आचार्य दंडवते ने बताया कि जो लोग घर पर श्री सुक्त, अथर्व शीर्ष, विष्णु सुक्त, पुरुष सुक्त का पाठ करते हैं, वो सभी संपूर्ण पूजा विधि का बड़े ही अच्छे ढंग से संपन्न करा सकते हैं। पूजा में बैठने के साथ सर्वप्रथम हमको आचमन करना होता है। प्राणायाम, संकल्प, पृथ्वी पूजा, कलश पूजा, शंख और घंटी की पूजा के बाद जिस देवता की आप पूजा कर रहे, उनकी पूजा करनी है।

उन्होंने आगे कहा कि पूजा दो प्रकार की होती है, पहली पंचोपचार पूजा और दूसरी षोडषोपचार पूजा। पंचोपचार पूजा में धूप, दीप, फूल, गंध और नैवेद्य की आवश्यकता होती है। इसके लिए आचार्य की आवश्यकता नहीं है। षोडषोपचार पूजा के लिए आचार्य आवश्यक है। षोडषोपचार पूजा के लिए आपको आचमन, प्राणायाम, संकल्प आवश्यक है।

दंडवते ने बताया कि पूजा के मंत्रोच्चार मैंने आपको उपलब्ध कराए है। संकल्प का साधारण मंत्र है। सिर्फ हमें तिथि, दिन, पहर का विशेष ध्यान रखना है। इसका ध्यान होने से किसी भी संकल्प को किया जा सकता है। इस तरीके से किसी भी देवता की पूजा की जा सकती है। बशर्ते संकल्प में उस प्रधान देवता का नाम उच्चारण हो। इस बीच आचार्य दंडवते ने बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं की शंकाओं से समाधान किया। एक सवाल के जवाब में चेतन ने कहा कि महिलाएं प्रत्येक पूजा कर सकती हैं और करवा भी सकती हैं, बशर्ते उनका आचरण और सारे नियम शुद्ध हो। इसी तरह महिलाएं स्नान- ध्यान के बाद सभी प्रकार के मंत्रोच्चार कर सकती हैं।

इस मौके पर सभी महिलाओं ने आचार्य दंडवते की 54वीं वर्षगांठ उनकी आरती उतारते हुए धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत सभी महिलाओं ने रामरक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा का साप्ताहिक पाठ किया। मंडल की आध्यात्मिक समिति की ओर से इस अभियान को एक मार्च 2025 को 61 सप्ताह पूरे हो गए हैं। महिला केंद्रों में इस अभियान को लेकर अभी भी उनता ही जोश है जितना अभियान की शुरुआत में था।

सेवानिवृत्त होने पर कलेक्टर गौरव सिंह ने कर्मचारी को दी बिदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर बंगले में शुक्रवार की शाम बड़ा अच्छा आयोजन हुआ। जिसमें कलेक्टर डॉ गौरव सिंह और उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता सिंह ने 30 वर्षो से सेवा देने वाले नगर सेना नगर सैनिक भुरूलाल बरिहा को सेवानिवृत होने पर शॉल तथा श्रीफल देकर भावभीनी विदाई दी। उन्होंने बरिहा की स्वस्थ्य रहने और सुदीर्घ जीवन की कामना की।

इसी प्रकार कलेक्टर डॉ सिंह ने कलेक्टर कार्यालय राजस्व शाखा में सहायक वर्ग-2 के पद पर कार्यरत श्रीमती उषा दरवलकर के सेवानिवृत्त होने पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित विदाई समारोह में शॉल, पुष्पगुच्छ तथा श्रीफल भेंट कर भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर कलेक्टर डॉ सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनकी कार्य प्रणाली की सराहना करते हुए उनके उज्जवल एवं सुखद भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती निधि साहू, नवीन कुमार ठाकुर, श्रीमती अभिलाषा पैकरा, डिप्टी कलेक्टर उत्तम रजक तथा स्टेनो टू कलेक्टर मुक्तेश्वर पटेल सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रविवि स्नातक की वार्षिक परीक्षाएं शुरू

रायपुर। रविशंकर विश्वविद्यालय की स्नातक कक्षाओं की भी वार्षिक परीक्षाएं शनिवार से प्रारंभ हो गई हैं। परीक्षाएं दो पालियों में सुबह 7 से 10 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक चलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। इस बार परीक्षा में नकल रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उडनदस्ता टीम का गठन किया है, जो विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर निरीक्षण करेगी। इसके अलावा, परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूर्णत: प्रतिबंध लगा दिया गया है।

शौर्य भट्टाचार्य को मिला एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप का खिताब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप का खिताब दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य ने 249 के स्कोर के साथ एक करोड़ रुपये की इनामी राशि अपने नाम किया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने शौर्य का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें जीत की बधाई दी और इनामी राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर पीजीटीआई के प्रेसिडेंट कपिल देव, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), बिलासपुर के डायरेक्टर (पर्सनल) बिरांची दास उपस्थित थे।

शौर्य भट्टाचार्य (64-61-61-63), जो रात भर पांच शॉट से आगे चल रहे थे, ने शुक्रवार को बढ़त हासिल करते हुए अपनी दूसरी पेशेवर जीत दर्ज की। 22 वर्षीय शौर्य, जो 2024 में पीजीटीआई इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर थे, ने टूनामेंट के दौरान सिर्फ एक बोगी गिराई। भट्टाचार्य ने 15 लाख रुपये का विजयी चेक प्राप्त किया, जिससे वे टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग में 59वें स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

दिल्ली के सचिन बैसोया (67-62-64-61) ने पिछले दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 61 बनाया और पांच स्थान ऊपर चढ़कर 22 अंडर 254 के स्कोर के साथ पार-69 कोर्स पर उपविजेता स्थान प्राप्त किया। श्रीलंका के एन. थंगाराजा (66-63-62-64) ने चौथे राउंड में 64 का स्कोर बनाकर 21 अंडर 255 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। सचिन बैसोया ने

चौथे राउंड में एक ईगल, सात बर्डी और एक बोगी लगाकर सप्ताह का अंत उपविजेता के रूप में किया। सचिन को मिले 10 लाख रुपये के रनर-अप चेक ने उन्हें टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग में 20वें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंचने में मदद की।

अपर आयुक्त ने जोन 3 में राजस्व वसूली, विधानसभा प्रश्न, स्वच्छ सर्वेक्षण की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर निगम अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय ने निगम जोन 3 कार्यालय में जोन 3 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे एवं कार्यपालन अभियंता सुशील मोडेस्टस सहित जोन अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व वसूली, विधानसभा प्रश्न, स्वच्छ सर्वेक्षण के सम्बन्ध में कार्यों की समीक्षा करते हुए सम्बंधित जोन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

रणनीति तय करने जय व्यापार पैनल की बैठक

रायपुर। जय व्यापार पैनल की ओर से जितेन्द्र दोशी एवं विक्रम सिंहदेव ने बताया कि जय व्यापार पैनल के संरक्षक महेन्द्र धाडीवाल के निवास पर जय व्यापार पैनल संरक्षक मंडल एवं पदाधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें छत्तीसगढ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्ड्स्ट्रीज के होनें वाले आगामी चुनाव हेतु रणनीतियों पर हुई चर्चा। इस अवसर पर जय व्यापार पैनल ने आगामी चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा की। जय व्यापार पैनल व्यापारियों की आवाज को सशक्त करने और व्यापारिक समुदाय को एकजुट करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

प्रदेश के प्रत्येक व्यापारी तक जय व्यापार पैनल ने संगठन की विचारधारा और उद्देश्यों को पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाने की रूपरेखा भी तैयार की गई। जय व्यापार पैनल ने संगठन के उद्देश्यों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। बैठक में आसुदामल वाधवानी, महेंद्र कुमार धाडीवाल , हनुमान प्रसाद अग्रवाल, रामजी पटेल, यू.एन. अग्रवाल, अमर पारवानी , अजय भसीन, उत्तम गोलछा, मगेलाल मालू, जितेन्द्र दोशी , संजय गंगवाल व अन्य मौजूद थे।

छात्र-छात्राएं अपना लक्ष्य निर्धारित करें : सोनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर नगर निगम के पूर्व महापौर,सभापति, लोकसभा सदस्य तथा रायपुर दक्षिण विधानसभा के विधायक सुनील सोनी ने छात्राओं को आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक छात्राएं लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें, सफलता निश्चित रूप से मिलेगा।

प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए विकास करें। जीवन में आगे बढ़ना है तो मेहनत के साथ ही साथ बड़े बुजुर्गो का आशीर्वाद प्राप्त करें। विश्व भारत को उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकसित बनें। ये भारत की अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक शक्ति का ही परिणाम है कि भारत ने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को सकुशल वापस लाया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष बृजेशनाथ पांडेय ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाविद्यालय के विकास के लिए

हर संभव प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रीति मिश्रा ने महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन में बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम 94 प्रतिशत से अधिक रहा तथा वाणिज्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर में राजनीति विज्ञान,गणित, प्राणी शास्त्र,भौतिक शास्त्र एवं अर्थशास्त्र विभाग का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इस अवसर पर प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को मेडल तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

इसी प्रकार से विभिन्न संकायों एवं विषयों तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को नगद पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा क्रिडा, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय सेवा योजना, यूथ रेड क्रॉस, राष्ट्रीय कैडेट कोर, रेड रिबन क्लब में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। संगीत विभाग के छात्राओं ने सरस्वती वंदना तथा राजकीय प्रस्तुत किया।राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मनीषा शर्मा ने अथिति परिचय दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आईक्यूएसी प्रभारी एवं भौतिक शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दीप्ति झा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता, ग्रंथपाल, क्रीडाधिकारी, कार्यालयीन अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दीप्ति झा, डॉ. नीधि गुप्ता, डॉ. निशा बारले, डॉ. श्वेता अग्निवंशी, रेबेका बेन द्वारा किया गया।

बॉडीकॉन आउटफिट में छाई रकुल प्रीत सिंह, हर एक पोज पर अटक गई फैंस की नजर!

बी-टाउन की खूबसूरत हसीना रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस का हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर का बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बाल, मिनिमल मेकअप और न्यूड लिप्सटिक शेड लगाकर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। तीसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक सिजलिंग एंड हॉट। ऐसे ही एक के बाद एक यूजर फोटोज पर लाइक्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

पति पत्नी और पड़ोसन पर युक्ति कपूरः मुझे भावनाओं के स्पेक्ट्रम में उतरने की चुनौती दी

ओटीटी प्लेटफॉर्म हंगामा एक और बहुप्रतीक्षित क्राइम थ्रिलर, पति पत्नी और पड़ोसन लेकर आया है। अभिनेत्री युक्ति कपूर को शो में मुख्य किरदार प्रतिभा की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है।

पति पत्नी और पड़ोसन विवाह, विश्वासघात और जुनून की अंधकारमय, पेचीदा गतिशीलता को उजागर करता है। यह शो एक छोटे शहर की जिज्ञासु मध्यवर्गीय गृहिणी प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसका किरदार युक्ति कपूर ने निभाया है। अपनी रहस्यमयी नई पड़ोसी सागरिका के प्रति उसका आकर्षण जल्द ही एक खतरनाक जुनून में बदल जाता है। जैसे ही वह सागरिका के भयावह अतीत को उजागर करती है, प्रतिभा को अपने पति को इस रहस्यमय अजनबी के घातक इरादों का शिकार होने से बचाने के लिए धोखे के जाल से गुजरना पड़ता है।

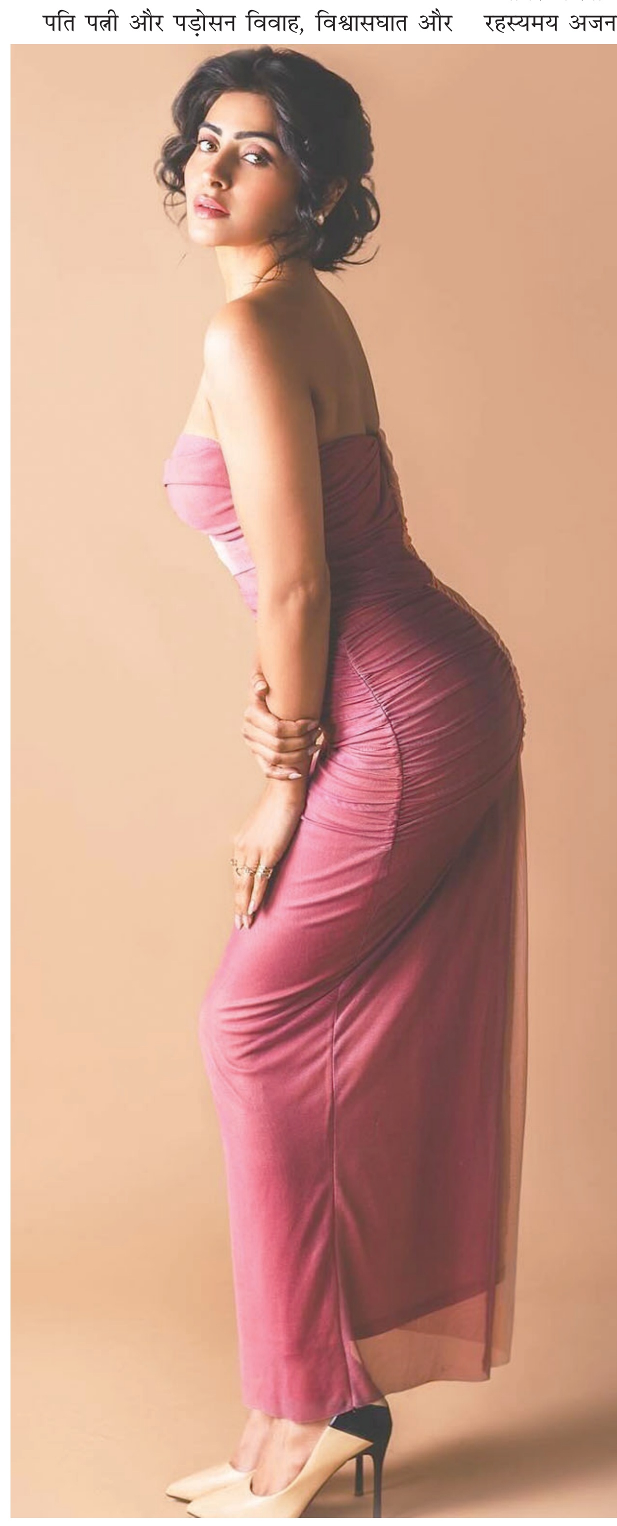

प्रतिभा के रूप में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, युक्ति कपूर ने कहा, एक ऐसे किरदार को निभाना वाकई रोमांचक था जो एक तरफ तो पालन-पोषण करने वाला है, दूसरी तरफ वह खतरे का सामना करने में भी दृढ़ है। प्रतिभा एक साधारण महिला है जो असाधारण परिस्थितियों में फंसी हुई है, जिसने मुझे भावनाओं के एक स्पेक्ट्रम में उतरने की चुनौती दी। उसकी यात्रा में बुने गए मनोवैज्ञानिक तनाव और रहस्य ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया। उन्होंने शो के लिए प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ सहयोग करने के बारे में भी बात की। अभिनेत्री ने कहा, चारु और मुओहित ने शो में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, हर दृश्य को अपनी तीव्रता से उभारा। पात्रों के बीच की स्तरित गतिशीलता कथा को मनोरंजक और अप्रत्याशित बनाए रखती है। मैं दर्शकों को पति पत्नी और पड़ोसन के रहस्य और नाटक में डूबे हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।

शो के पोस्टर में प्रतिभा के रूप में युक्ति कपूर साड़ी पहने हुए हैं और पृष्ठभूमि में एक मध्यम वर्गीय कॉलोनी दिखाई दे रही है। राज शेट्टी के निर्देशन में बनी पति पत्नी और पड़ोसन में चारू मेहरा और मुओहित जौशी के अलावा अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पति पत्नी और पड़ोसन 20 फरवरी, 2025 से विशेष रूप से हंगामा पर स्ट्रीम हो रही है। शीर्षक को छोड़कर, इस कहानी को प्रोकेरल टीम द्वारा संपादित नहीं किया गया है और यह सिंडिकेटेड फीड से स्वतः उत्पन्न हुई है।

भाग्यश्री की बेटी अवंतिका की नई फिल्म का ऐलान, नसीरुद्दीन शाह के बेटे विवान बने जोड़ीदार

अभिनेत्री भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दासानी की नई फिल्म इन गलियों में का ऐलान हो गया है। वह इससे पहले तेलुगु फिल्म नेनु स्टूडेंट सर और वेब सीरीज मिथ्या में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म में अवंतिका की जोड़ी अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के छोटे बेटे विवान शाह के साथ बनी है, जिसे देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं।

अभिनेता जावेद जाफरी भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आइए बताते हैं इन गलियों में कब रिलीज होगी। इन गलियों में के निर्देशन की कमान अविनाश दास ने संभाली है, जिन्हें रात बाकी है और अनारकली ऑफ आरा जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। विनोद यादव और नीरू यादव इसके निर्माता हैं। इन गलियों में का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

अविनाश के मुताबिक फिल्म इन गलियों में, वसु मालवीय के पुत्र पुनर्वसु की तरफ से अपने पिता को श्रद्धांजलि है। पटकथा पुनर्वसु ने लिखी है, ज्यादातर गीत भी उन्होंने ही लिखे है, गीतों की शुरुआती धुन भी उन्होंने ही तैयार की है। अविनाश कहते हैं, ये फिल्म मेरी तरफ से हिंदी साहित्य को एक उपहार है। यदुनाथ फिल्म्स ने इसे बनाया, इसके लिए मैं उनका शुक्रगुजार रहूंगा और शुक्रगुजार रहूंगा फिल्म के सारे कलाकारों का जिन्होंने मेरी इस मनोभावना में मेरा साथ दिया। जावेद जाफरी, इश्तियाक खान, सुशांत सिंह, अवंतिका दसानी, विवान शाह, राजीव ध्यानी, हिमांशु वाजपेयी जैसे चर्चित कलाकारों से सजी इस फिल्म की टीम में अरविंद कन्नाबिरन, जबीन मर्चेंट, अमाल मलिक, संजय चौधुरी और अरुण नांबियार भी परदे के पीछे से शामिल हैं।

आखिर महिलाएं पुरुषों से ज्यादा क्यों रोती हैं? एक स्टडी में सामने आई वजह

आपने अक्सर अपने आसपास देखा होगा कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले ज्यादा रोती हैं. ऐसा कहा जाता है कि इससे महिलाओं की आंखें बहुत जल्दी खराब हो जाती हैं. लेकिन पुरुषों में आंसू जल्दी नहीं आते. आज हम आपको इसके पीछे का कारण एक अध्ययन के माध्यम से बताएंगे कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं सबसे ज्यादा क्यों रोती हैं...

एक अध्ययन में पता चला

मर्दों और महिलाओं के हार्मोन और रोने के पीछे का कारण पता करने के लिए 2011 में एक अध्ययन किया गया था। इस अध्ययन में कुछ ऐसी रिपोर्ट सामने आईं, जिन्हें जानकर आप हैरान रह जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक एक महिला एक साल में 30 से 64 बार या इससे भी

ज्यादा बार रोती है, वो भी सार्वजनिक तौर पर। वहीं, पूरे साल में पुरुष 05 से 07 बार से ज्यादा नहीं आंसू बहाते हैं, हालांकि पुरुष अकेले रोना पसंद करते हैं।

मर्दों और महिलाओ के हार्मोन

रोने के पीछे का करण शरीर में मौजूद हार्मोन जिम्मेदार होते हैं। शोध के अनुसार, पुरुषों के अंदर वे हार्मोन होते हैं जो महिलाओं के मुकाबले अधिक शक्तिशाली और मजबूत संगठन बनाते हैं। इस हार्मोन का नाम है टेस्टोस्टेरोन। यह वही हार्मोन है, जो किसी मर्द में सबसे अधिक या सबसे कम होता है, जो उस पुरुष की यौन गतिविधि को नियंत्रित करता है। ये वही हार्मोन हैं जो पुरुषों को रुलाते हैं और भावुक कर देते हैं, ये इमोशनल इंटेलीजेंस को कम कर देते हैं और आंसुओं को बहने से रोकते हैं।

क्या कहती है रिसर्च

एक रिसर्च के बाद पुरुषों में कम आंसुओं का कारण प्रोलेक्टन हार्मोन को माना गया है। प्रोलेक्टॉन हार्मोन व्यक्ति को भावुक बनाता है और खुद को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। पुरुषों में प्रोलेक्टन हॉर्मोन ना के बराबर होता है और महिलाओं में इसकी मात्रा अधिक होती है। इसलिए अपने अंदर कूट-कूट कर भरे हॉर्मोन के चलते ही महिलाएं ज्यादा रोती और भावुक होती है। वहीं पुरुषों की मर्दानगी वाला हॉर्मोन उन्हें रोने से रोक लेते हैं।

फिल्म नादानियां का ट्रेलर रिलीज, 7 मार्च से नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

स्टार किड्स को लेकर दर्शकों के बीच एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है। आने वाले दिनों में कई सितारों के बच्चे बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाले हैं। इन्हीं में से एक हैं सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान।

इब्राहिम निर्माता करण जौहर की फिल्म नादानियां से अभिनय जगत में कदम रखने वाले हैं, जिसका ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है।

ट्रेलर की शुरुआत में इब्राहिम के किरदार अर्जुन मेहता के बारे में बताया जाता है, जो एक लॉ कॉलेज में जाना चाहता है। इसी बीच उसकी मुलाकात पिया जय सिंह (खुशी कपूर) से होती है, जो महत्वाकांक्षा से ज्यादा प्यार को प्राथमिकता देती है।

पिया और अर्जुन एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं, लेकिन ट्विस्ट तब आता है, जब अर्जुन सबको बताता है कि उसे पिया को डेट करने के लिए हर हफ्ते 25,000 रुपये मिलते हैं। ट्रेलर देख एक ने लिखा, शुक्रिया नेटफ्लिक्स। 2 मिनट में बता दिया कि इस

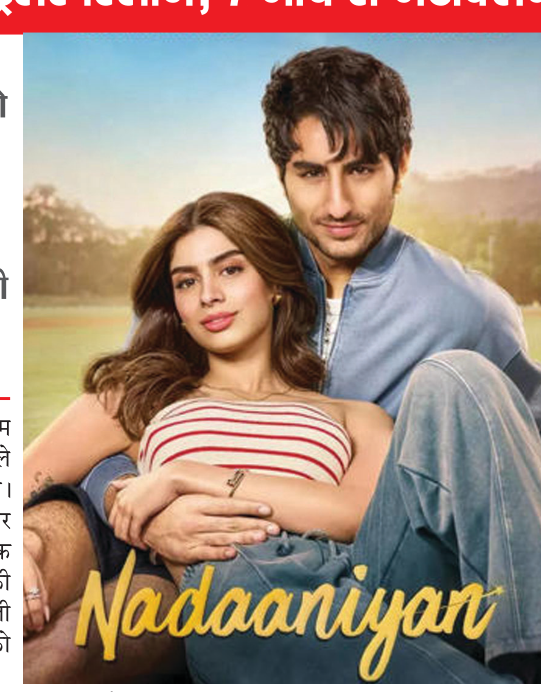

फिल्म के लिए मुझे अपने 2 घंटे खर्च नहीं करने हैं। एक लिखते हैं, शुक्र है ये नेटफ्लिक्स पर ही आ रही है। एक ने लिखा, इब्राहिम- मुझे 25 हजार मिले बॉयफ्रेंड बनने के लिए। दर्शक- भाई तू नेटफ्लिक्स का 199 का सब्सक्रिप्शन दिला दे तुम दोनों को झेलने के लिए। एक ने लिखा, कमेंट सेक्शन में पीआर सक्रिय हो गया है। वैसे कुछ लोग इब्राहिम की तारीफ भी कर रहे हैं और उनके मुताबिक वह बॉलीवुड के अगले सुपरस्टार हैं। कोई उन्हें सैफ की कार्बन कॉपी बता रहा है तो कुछ का कहना है कि ट्रेलर देख उन्हें उनकी जवानी के दिन याद आ गए हैं।

बहरहाल, बता दें कि नादानियां 7 मार्च से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है। शौना गौतम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, वहीं करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं। यह फिल्म पहले प्यार के जादू और पागलपन को दर्शाती है, जहां चुनाव हमेशा आसान नहीं होते हैं। ऊिल्म में शर्तो से शुरू हुए एक रिश्ते का अंजाम देखने को मिलेगा। फिल्म में महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज सहायक भूमिका निभा रहे हैं। यह खुशी की तीसरी फिल्म है। इब्राहिम के साथ उनकी केमिस्ट्री ट्रेलर में अच्छी लग रही है। इससे पहले खुशी को द आर्चीज और जुनैद खान के साथ लवयापा में देखा गया था।

कौन-सा हेयरब्रश आपके बालों के लिए सही है? जानें 5 प्रकार के हेयरब्रश

बालों की देखभाल में सही हेयरब्रश का चयन करना बहुत जरूरी होता है। हर व्यक्ति के बाल अलग-अलग होते हैं इसलिए उनके लिए सही ब्रश का चुनाव भी अलग होता है। इस लेख में हम आपको पांच प्रकार के हेयरब्रश के बारे में बताएंगे, जो आपके बालों की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। चाहे आपके बाल सीधे हों या घुंघराले, लंबे हों या छोटे, यहां आपको हर प्रकार के बालों के लिए उपयुक्त ब्रश की जानकारी मिलेगी।

गोल ब्रश से पाएं वॉल्यूम

गोल ब्रश का उपयोग खासतौर पर वॉल्यूम बढ़ाने और कर्ल बनाने के लिए किया जाता है। यह ब्रश उन लोगों के लिए अच्छा होता है जिनके बाल पतले होते हैं और उन्हें अधिक घना दिखाना चाहते हैं। गोल ब्रश से ब्लो ड्राई करते समय आप अपने बालों को जड़ों से उठाकर उन्हें अधिक वॉल्यूम दे सकते हैं। इसके अलावा यह ब्रश कर्लिंग आयरन की तरह काम करता है, जिससे आप अपने बालों में हल्के कर्ल बना सकते हैं।

पैडल ब्रश से पाएं स्मूद लुक

पैडल ब्रश बड़े और चौड़े आकार का होता है, जो लंबे और सीधे बालों को सुलझाने में मदद करता है। यह उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प होता है, जिनके बाल उलझ जाते हैं या जिन्हें रोजमर्रा में जल्दी तैयार होना पड़ता है। पैडल ब्रश से आप आसानी से अपने बालों को

सुलझा सकते हैं और उन्हें एक स्मूद लुक दे सकते हैं। इसका उपयोग गीले या सूखे दोनों ही तरह के बालों पर किया जा सकता है।

डिटैंगलर ब्रश से करें उलझे हुए बाल ठीक

डिटैंगलर ब्रश खासतौर पर उलझे और नाजुक बालों को सुलझाने के लिए होता है। इसके दांत नरम होते हैं, जो बिना खींचे उलझनों को दूर करते हैं, जिससे टूटने का खतरा कम होता है। यह बच्चों और संवेदनशील स्कैल्प वाले लोगों के लिए भी सही होता है क्योंकि इससे दर्द नहीं होता और स्कैल्प पर दबाव नहीं पड़ता। डिटैंगलर ब्रश गीले या सूखे दोनों तरह के बालों पर इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे आपका अनुभव आरामदायक बनता है।

वेंटेड ब्रश से करें जल्दी ड्राई

वेंटेड ब्रश उन लोगों के लिए आदर्श होते हैं, जिन्हें जल्दी-जल्दी गीले बाल सुखाने होते हैं। इसमें हवा पास होने की जगह होती है, जो ब्लो ड्राई में मदद करती है। यह खासकर मोटे या घने बालों वाले लोग पसंद करते हैं क्योंकि यह तेजी से बाल सुखाता है। इसके अलावा वेंटेड ब्रश बालों में अतिरिक्त वॉल्यूम देने में भी सहायक होता है, जिससे बाल ज्यादा भरे-भरे लगते हैं।

टिजिंग कॉम्ब फॉर एक्स्ट्रा लिफ्ट

टिजिंग कॉम्ब एक छोटा लेकिन असरदार उपकरण है, जिसका उपयोग खासकर पतले बालों को घना बनाने के लिए होता है। यह उन लोगों के लिए सही है, जो अपने हेयरस्टाइल में ज्यादा वॉल्यूम चाहते हैं। टिजिंग कॉम्ब से आप बालों के खास हिस्सों को उठाकर उनमें लिफ्ट ला सकते हैं, जिससे हेयरस्टाइल भरा-भरा और आकर्षक दिखता है। यह छोटे बालों को स्टाइल करने में भी मददगार होता है, जिससे आपका लुक और भी मनोहर बनता है।

शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, दुर्ग का तृतीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन

नर्सिंग सेवाओं पर किया मंथन, पढ़े गए शोधपत्र और की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, दुर्ग का तृतीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन (हाईब्रिड मोड पर) का आयोजन महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर, भिलाई में किया गया। सम्मेलन की थीम ''नर्सिंग पावर टू चेंज द वर्ल्ड'' थी। सम्मेलन में राज्य के विभिन्न शासकीय एवं निजी नर्सिंग महाविद्यालय से बीएससी नर्सिंग एवं एमएससी नर्सिंग छात्राएं, नर्सेस एवं नर्सिंग शिक्षिकाएं ऑनलाईन एवं ऑफ्लाइन माध्यम से शामिल हुए। आयोजन में मौजूद विषय विशेषज्ञों के साथ साथ ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन से भी वक्त गणों ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपने विचार रखे।

सम्मेलन में मॉडल प्रस्तुतिकरण प्रतियोगिता रखी गई थी। जिसमें राज्य के विभिन्न शासकीय एवं निजी नर्सिंग महाविद्यालयों से आईं प्रतिभागी छात्राओं ने थीम पर मॉडल बनाकर प्रदर्शित किया। इसके साथ ही रील्स मेकिंग प्रतियोगिता भी रखी गई थी। जिसमें प्रतिभागियों ने थीम आधारित रील बनाकर प्रतियोगिता में भाग लिया। आयोजन में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता रमा राजेश, प्राचार्या, शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, दुर्ग ने की। सम्मेलन हेतु सचिव ममता शशि साहू, सह-प्राध्यापक, शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, दुर्ग रहीं। वंदना चौहान, सह-प्राध्यापक, शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय,दुर्ग एवं सुनीता वर्मा, शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, दुर्ग सम्मेलन के समन्वयक के रूप में उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सेवाओं में नर्सिंग की भूमिका पर हुई चर्चा

इस अवसर पर पैनल चर्चा का विषय नर्सिंग पावर टू चेंज द वर्ल्ड रखा गया था, जिसमें पैनलिस्ट डॉ. एनी कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय प्रशिक्षित नर्स एसोसिएशन (टीएनएआई), डॉ. अभिलेखा बिस्वाल प्रिंसिपल पीजी कॉलेज ऑफनर्सिंग, भिलाई, डॉ. बेनी बुसान चाको प्रिंसिपल बेथनी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई, रचना सोनी डिप्टी नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट एम्स, रायपुर थे। मॉडरेटर रीमा राजेश प्रिंसिपल गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, दुर्ग थीं। वैज्ञानिक सत्र में स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों का डिजिटलीकरण, नर्सिंग कार्यबल का कौशल उन्नयन और पुन: कौशल करण विषय पर वक्ता श्रीमती मिनिमोल वर्गीज मुख्य नर्सिंग अधिकारी, फोर्टिस हेल्थ केयर, मुलुंड, मुंबई ने अपने विचार रखे। जिसकी अध्यक्षता डॉ. रोजा प्रिंसी प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष), मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई ने की।

नर्सिंग सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण बनाने किया विमर्श

दोपहर के सत्र में 'भविष्य के नर्सिंग कार्यबल के लिए गुणवत्तापूर्ण नर्स शिक्षकों को सशक्त बनाने' विषय पर हुए वैज्ञानिक सत्र में मुख्य वक्ता डॉली बिस्वास मुख्य नर्सिंग अधिकारी फोर्टिस अस्पताल आनंदपुर कोलकाता थी। अध्यक्षता श्रीमती सपना ठाकुर सह-प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष) बाल स्वास्थ्य विभाग शासकीय नर्सिंग कॉलेज, दुर्ग ने की। तीसरे वैज्ञानिक सत्र का विषय उन्नत नर्सिंग अभ्यास: अवसर का लाभ उठाएँ रखा गया था। जिसमें मुख्य वक्ता श्रीमती बिंदु जॉर्ज के.एशियाई गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संस्थान, हैदराबाद थीं। अध्यक्षता रचना सोनी उप नर्सिंग अधीक्षक, एम्स, रायपुर ने की। चौथे वैज्ञानिक सत्र में शोध से वास्तविकता तक साक्ष्य आधारित नर्सिंग कार्यबल रणनीति का विकास विषय पर मुख्य वक्ता वक्ता डॉ. जिबी जियोग्रैड, आदेश्वर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस जगदलपुर थीं। अध्यक्षता श्रीमती एल्सी वर्गीस प्रोफेसर (एचओडी) ओबीजी विभाग शासकीय नर्सिंग कॉलेज दुर्ग ने की।

कल्याण कॉलेज के वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए वित्त मंत्री, बोले

लक्ष्य को पाने के लिए लगातार प्रयास करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वित्त मंत्री ओपी चौधरी आज कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई नगर के वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह में सांसद विजय बघेल भी शामिल हुए। वित्त मंत्री श्री चौधरी और सांसद श्री बघेल ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने बीएससी की पढ़ाई कल्याण महाविद्यालय भिलाई नगर से किया है।

उन्होंने इस कॉलेज से जुड़ी हुई अपनी पुरानी यादों को छात्र-छात्राओं के साथ साझा किया। उन्होंने कहा यह मेरा भावनात्मक पल है। विपरीत परिस्थितियों में भी मैंने कड़ी मेहनत करते हुए आईएएस की तैयारी की। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा लक्ष्य को पाने के लिए लगातार प्रयास करना चाहिए। इस बात को हमेशा ध्यान रखकर अपने कैरियर के लिए योजना बनाए। गिनती की पढ़ाई कोई काम नही आती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अपनी मेहनत से और सीखने की क्षमता से बड़ा बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं है, बल्कि जीवन के विभिन्न पहलुओं में विकास करना है। उन्होंने कहा सर बिल गेट्स का उदाहरण भी इस विचार को मजबूती से प्रस्तुत करता है, जो बिना डिग्री के भी दुनिया के सबसे बड़े उद्यमियों में से एक बने।

अपने भविष्य के लिए स्पष्ट लक्ष्य रखे एवं व्यक्तित्व के विकास में कामयाबी हासिल करने के लिए पढ़ाई करें। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने पीएचडी उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया। समारोह में सांसद विजय बघेल, वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन सहित कल्याण महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं व शिक्षकगण उपस्थित थे। स्वागत भाषण कल्याण कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा ने दिया।

जन औषधि सप्ताह : पहले दिन जागरुकता रैली आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा बिलासपुर द्वारा कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रास अवनीश शरण के कुशल मार्गदर्शन में जन औषधि सप्ताह के अंतर्गत प्रथम दिवस पर जन औषधि की सस्ती दवा के प्रति आम जनों को जागरूक करने के उद्देश्य से जनजागरण रैली आयोजित की गई। रैली का आयोजन जिला अस्पताल परिसर से शहर के मुख्य मार्गों को भ्रमण करते हुए रिवर व्यू तक किया गया द्य

रैली को डॉ अनिल गुप्ता सिविल सर्जन एवं अमरजीत सिंह दुआ कोषाध्यक्ष रेडक्रास प्रबंध समिति के द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया अमरजीत सिंह दुआ पूरे समय रैली में उपस्थित रहे रैली समापन के अवसर पर सौरभ सक्सेना ने आमजन को उद्बोधन दिया तथा अमरजीत सिंह दुआ ने उद्बोधन देते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री महोदय नरेंद्र मोदी द्वारा चालू की गयी इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोग ले तथा आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर कोई भी व्यक्ति दवा के अभाव में परेशान न हो । रैली का सफ्ल संचालन आदित्य पांडेय एवं प्रणय मजुमदार नोडल अधिकारी जनऔषधि के द्वारा किया गया!

रैली में लक्ष्मीनारायण मिश्रा, मनीष मिश्रा, सुशील राजपूत, आशीष गोविंद मिश्रा, मोहन वैष्णव, अंजू ठाकुर, दिनेश राठौर गीतेश्वरी चंद्रा, नेहा राय, रचना राय, ममता लहरे, साथ ही शहर में संचालित अन्य जन औषधि केंद्रों के प्रबंध एवं फ्मार्सिस्ट उपस्थित रहे।

सचिन पायलट से मिले विधायक देवेंद्र यादव, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से भी मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट से मंगलवार को भिलाई नगर के लोक?प्रिय विधायक देवेंद्र यादव ने मुलाकात की। इसके बाद यूथ कांग्रेस नेशनल प्रेसिडेंट उदय भानु चिब से भी सप्रेम भेंट मुलाकात की।

इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति की जानकारी दी। इस दौरान सबसे पहले विधायक देवेंद्र यादव ने सचिन पायलेट का दिल से आभार जताया,उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। विधायक देवेंद्र यादव जब जेल में थे, तब सचिन पायलेट र उनसे मिलने के लिए जेल गए थे।

विधायक की मां और परिवार से मिलकर उन्हें हिम्मत दी थी और कहा था कि वे भी उनके बेटे देवेंद्र यादव की तरह ही है। उनके रहते उन्हें किसी ?बात की ?चिंता नहीं करना है। विधायक संघर्षशील युवा नेता है और सच परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं हो सकता। एक दिन विधायक जीत कर जेल से बाहर आएगा।

जेल से बाहर आने के बाद विधायक देवेंद्र यादव को राहुल गांधी ने दिल्ली बुलाया था। जहां उनकी लंबी चर्चा हुई ?थी। इसके बाद विधायक देवेंद्र यादव सचिन से मिले है। इस मुलाकात में राज्य के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा हुई। राजनीति गलियारों में देवेंद्र यादव एक बार फ्रि चर्चा का विषय बने हुए है। जेल में रहते ही उन्हें कांग्रेस पार्टी ने चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी। 6 माह तक जेल में रहने के दौरान देश भर के बड़े-बड़े कांग्रेसी नेता उनसे मिलने पहुंचे। जैसे ही वे बाहर आए, सबसे पहले राहुल गांधी ने उन्हें सीधे दिल्ली बुलाया। इसके बाद अब सचिन पायलेट से मुलाकात से कई तरह की चर्चा का विषय बना हुआ है। विधायक देवेंद्र यादव को अब राजनीतिक विशेषज्ञ केंद्र स्तर का बड़ा नेता के रूप में देख रहे हैं।

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से भी की मुलाकात

जेल में रहने के दौरान पूरे प्रदेश के युवा साथियों ने प्रदेश भर में सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेल में मिलने आए थे और भिलाई निवास में परिवार से भी मुलाकात की थी ।आज दिल्ली पहुंच विधायक ने उनसे मुलाकात की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवनिर्वाचित महापौर और पार्षदों से किया आह्वान

शहर को स्वच्छ, सुन्दर और सुविधापूर्ण बनाने दृढ़ संकल्प से करें काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आज जगदलपुर नगर निगम में नवनिर्वाचित महापौर एवं पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप, विधायकगण सर्वश्री किरण देव, विनायक गोयल, नीलकंठ टीकाम और चैतराम अटामी भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। बस्तर के कलेक्टर हरीश एस. ने जगदलपुर के मां दन्तेश्वरी मंदिर प्रांगण में आयोजित समारोह में महापौर संजय पाण्डेय और सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि नए महापौर और पार्षदगण अटल विश्वास पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा कर जगदलपुर शहर को स्वच्छ, सुन्दर एवं सुविधापूर्ण बनाने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार जगदलपुर की तरक्की के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। वन मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा बीते 15 महीनो में नगरीय निकायों में 7500 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य कराए गए हैं। जगदलपुर शहर में 82 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से आधारभूत संरचना विकसित की जा रही है। आगामी दिनों में जगदलपुर के 50 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर समग्र विकास के लिए हम सब मिलकर पहल करेंगे। सांसद महेश कश्यप और विधायक श्री किरण देव ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जगदलपुर शहर के सर्वांगीण विकास के लिए हरसम्भव पहल करने का आश्वासन दिया। बस्तर राज परिवार के कमलचन्द्र भंजदेव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में समारोह में मौजूद थे।

अवैध शराब निर्माण और बिक्री रोकने करें कड़ी कार्रवाई, कोचियों पर रखें पैनी नजर : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने कड़ी कार्रवाई करें। कोचियों और दलालों पर पैनी नज़र रखने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने तहसीलदारों को पुलिस के साथ संयुक्त पेट्रोलिंग करने कहा। सड़क पर जन्मदिन मनाते हुए केक काटने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों के निराकरण की गति में अपेक्षित सुधार आया है। ये गति आगे भी बनी रहनी चाहिए।

बैठक में कलेक्टर अपर कलेक्टर को निर्देश दिए की जल्द ही राजस्व पखवाड़े का आयोजन कर राजस्व मामलों का निराकरण किया जाए। उन्होंने शहर और ग्रामीण दोनों इलाकों में अतिक्रमण हटाने कहा। किसान पंजीयन का काम प्राथमिकता से करते हुए अगले दस दिनों में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर द्वारा अविवादित एवं विवादित किस्म के नामांतरण एवं बंटवारा, सीमांकन, डायवर्सन, भू-भाटक, त्रुटि सुधार एवं अभिलेख दुरूस्ती, राजस्व न्यायालय की प्रगति रिपोर्ट, भू नक्शा, नजूल, स्वामित्व योजना की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी मामलों में पक्षकारों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। बैठक में एडीएम शिवकुमार बनर्जी, आरए कुरूवंशी, सहायक कलेक्टर तन्मय खन्ना सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

जीवनदीप समिति की बैठक में गरीब मरीजों के हित में लिए गए कई निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण की अध्यक्षता में जिला अस्पताल की जीवन दीप समिति की कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक में मरीजों के हित में और उनकी सुविधाएं बढ़ाने कई निर्णय लिए गए। बैठक में बताया गया कि एक्सरे, ईसीजी एवं सोनोग्राफी की सुविधा नि:शुल्क किये जाने से लगभग 31 लाख रूपए का बचत पिछले 8 महीने में गरीब मरीजों को हुआ है। 20 हजार से ज्यादा मरीजों को इसका लाभ मिला है। श्रवण बाधित मरीजों की जांच के लिए जिला अस्पताल में बेरा रूम निर्माण करने का निर्णय लिया गया। जिला अस्पताल के साथ सिम्स में भी यह सुविधा वर्तमान में उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे मरीजों को जांच के लिए रायपुर रिफ्र करना पड़ता था।

सिविल सर्जन डॉ. अनिल गुप्ता ने चर्चा के लिए समिति के समक्ष एजेण्डा प्रस्तुत किए और विचार-विमर्श कर गरीब मरीजों के हित में अनेक निर्णय लिए गए। जीवन दीप समिति की आय-व्यय विवरण से समिति को अवगत कराया गया। बताया गया कि जीवन दीप समिति के खाते में फ्लिहाल 5 करोड़ 32 लाख रूपए जमा है। इनमें से 5 करोड़ रूपए बैंक में फ्क्सि डिपोजिट के रूप में जमा है। नवनिर्मित माड्यूलर कीचन में मरीजों के साथ ही उनके परिजनों एवं स्टॉफ के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था बनाने के संबंध में चर्चा किया गया।

बैठक में अस्पताल संचालन के लिए एक कम्प्यूटर ऑपरेटर रखने, एक लिफ्टमेन रखने, इंफेक्शन नियंत्रण के लिए अस्पताल स्टॉफ को विशेष ड्रेस देने, एनआरसी में बच्चों के प्ले एरिया में फ्लोर मेट रेड क्रांस सोसायटी से उपलब्ध कराने सहित अन्य उपयोग निर्णय लिए गए।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

बिजली के तार की चपेट में आने से एक की हुई मौत

जांजगीर। जांजगीर क्षेत्र के जर्वे गांव में शादी समारोह के दौरान बड़ा हादसा हो गया। 11 केवी बिजली के तार की चपेट में आने से एक ग्रामीण की मौके पर मौत हो गई, जबकि धुमाल संचालक और एक कर्मचारी बुरी तरह झुलस गए। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया।

कनई गांव से एक बारात जर्वे गांव आई थी और इस दौरान चाम्पा से धुमाल पार्टी बुलाई गई थी। शादी समारोह के दौरान पंचायत भवन के पास धुमाल बज रहा था, लेकिन धुमाल के ऊपर लगी लाइट बंद हो गई। इसे ठीक करने के लिए एक कर्मचारी ऊपर चढ़ा, लेकिन कम ऊंचाई से गुजर रहे 11 केवी बिजली के तार की चपेट में आ गया। हादसे में ग्रामीण राजू साहू की मौत हो गई। धुमाल संचालक अमर बघेल और कर्मचारी गजेंद्र गुजरतिया बुरी तरह झुलस गए। अमर बघेल की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बिलासपुर रेफर किया गया। गजेंद्र गुजरतिया का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

पुलिसवालों को धमकी देने वाला भाजपा नेता गिरफ्तार

राजनांदगांव। गाड़ी में शराब पकड़े जाने के बाद पुलिस आरक्षकों को धमकाने वाले नेता दीपक चौहान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

शनिवार को पुलिस ने आरोपी दीपक चौहान और उसके ड्राइवर कौशल वर्मा को कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पूर्व पार्षद व नेता की गाड़ी से सुकुल दैहान पुलिस की टीम ने 26 फरवरी को शराब की खेप पकड़ी थी। तब गाड़ी ड्राइवर कौशल वर्मा चला रहा था। गाड़ी रोके जाने की सूचना मिलते ही दीपक चौहान मौके पर पहुंचे। उन्होंने गाड़ी की जांच करने वाले आरक्षकों को जमकर धमकाया।

राजनैतिक रसूख का हवाला देते हुए जमकर गाली गलौज की, वहीं ट्रांसफर तक करा देने की धमकी दी। मामले का वीडियो दूसरे ही दिन सोशल मीडिया में वायरल हो गया। इसके बाद पुलिस ने दीपक चौहान को मौके से छोड़ने वाले दो आरक्षकों को लाइन अटैच कर दिया। वहीं दीपक चौहान और ड्राइवर कौशल वर्मा पर धारा 221, 296, 238 के तहत अपराध दर्ज किया था। इसमें आबकारी एक्ट की धारा भी जोड़ी गई। शनिवार को आरोपी दीपक चौहान और कौशल वर्मा को जेल भेज दिया गया। राजनांदगांव. आरोपी भाजपा नेता को जेल भेजा गया।

करंट लगने से ग्रामीण की मौत

सरगुजा। जंगली जानवरों का शिकार करने शिकारी विद्युत तार का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी चपेट में आने से जानवरों की जान तो जा ही रही है।

लेकिन ग्रामीण भी अपनी जान गवां रहे हैं। ताजा मामला सरगुजा जिले के दरिमा थाना क्षेत्र के पंपापुर गांव से सामने आया है। यहां जंगली सूअर के शिकार के लिए बिछाए गए करंटयुक्त तार की चपेट में आने से एक ग्रामीण की मौत हो गई है। ग्रामीण की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों ने जंगली जानवरों को फंसाने के लिए खेत में बिजली का तार बिछाया था। जिससे करंट लगने से ग्रामीण की मौत हो गई। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी फरार है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा का मामला पूर्व सरपंच सहित 18 लोग हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। कांकेर में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में कांकेर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत पुसवाड़ा में हुए हिंसा के मामले में पुलिस ने 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।

कांकेर में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में कांकेर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत पुसवाड़ा में हुए हिंसा के मामले में पुलिस ने 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है. इस मामले में पहले ही कांकेर पुलिस ने पूर्व सरपंच समेत 3 आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था. पुलिस ने मामले में सरपंच प्रत्याशी समेत 50 से अधिक लोगों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। अन्य सभी आरोपी को पुलिस फरार बता रही है जिनकी तलाश जारी है।

कांकेर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पंचायत चुनाव के दौरान 17 फरवरी को ग्राम पंचायत पुसवाड़ा में

मतदान तो शांतिपूर्ण कराया गया था लेकिन मतगणना के दौरान परिणाम आते ही पराजित सरपंच प्रत्याशी रूकमणी कोसम व उसके समर्थकों ने हंगामा खड़ा कर दिया था। मतगणना में गड़बड़ी का आरोप लगाते मतदान दल को ही केंद्र में बाहर से बंद कर दिया था। इसके बाद तोड़फोड़ शुरू कर दी गई। सूचना पर पुलिस पहुंची तो भीड़ ने पुलिस जवानों के साथ मारपीट की। पुलिस व मतदान दल के वाहनों में तोड़फोड़ की गई। मतपेटी लूटने की कोशिश की गई। मतदान दल पर हमला किया गया। रात में चार घंटे तक हंगामा चलता रहा। जैसे तैसे पुलिस मतदान दल व पेटी को सुरक्षित वहां से बाहर निकाल पाई थी। हमले में 8 पुलिस जवान भी घायल हुए थे।

इस मामले में मतदान केंद्र के रिटर्निंग आफिसर अशोक गोटे चारामा ने पुलिस में अपराध दर्ज कराया था। सरपंच प्रत्याशी रुक्मणी कोसम व समर्थक रोहित नेताम, तोमेश यादव तथा अन्य 50 से अधिक साथियों ने हमला व मत पेटी लूटने की कोशिश करने और मारपीट कर चोट भी पहुंचाया था का मामला दर्ज कराया था।

परिवहन विभाग ने वसूला 17 बसों पर 15,300 रुपए शमन शुल्क

बेमेतरा। परिवहन मुख्यालय, नया रायपुर एवं कलेक्टर रणबीर शर्मा और के निर्देशानुसार, बेमेतरा जिले में बिना परिचालक लाइसेंस और वर्दी के यात्री बस चालकों एवं परिचालकों पर कड़ी कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत जिला परिवहन अधिकारी अरविंद भगत द्वारा 28 फरवरी को यात्री बसों की चेकिंग की गई, जिसमें कई बस चालक और परिचालक शासन द्वारा निर्धारित वर्दी के बिना पाए गए और कुछ परिचालक अपना लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सके।

जांच के दौरान 17 बसों के चालकों और परिचालकों पर मोटरयान नियमों के उल्लंघन के लिए कार्रवाई की गई, जिसमें कुल 15,300 रुपये शमन शुल्क वसूल किया गया। सभी चालकों और परिचालकों को सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में यात्री बसों का संचालन शासन द्वारा निर्धारित वर्दी में ही करें और परिचालक अपने लाइसेंस साथ रखें। नियमों की अवहेलना पर भविष्य में और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यात्री परिवहन व्यवस्था सुचारू और सुरक्षित बनी रहे, साथ ही मोटरयान नियमों का सख्ती से पालन हो।

लापता ग्रामीण का खेत में मिला कंकाल, शव के टुकड़े अलग-अलग स्थानों पर बिखरे मिले

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के उरगा थाना अंतर्गत साजापानी गांव के जंगल में एक खेत से नरकंकाल बरामद होने से सनसनी फैल गई। शव के टुकड़े अलग-अलग स्थानों पर बिखरे मिले, जबकि पास रखे पैरा में खून के निशान भी पाए गए। पुलिस ने मृतक की पहचान बुधवार सिंह (40) पिता साहेतार मांझी के रूप में की है, जो चुनाव से चार दिन पहले लापता हो गया था।

बुधवार सिंह मजदूरी करता था और नशे का आदी था। चुनाव के एक दिन पहले से लापता था उसकी पहली पत्नी की मौत हो चुकी थी और उससे एक बेटा है, जो मजदूरी के लिए बाहर गया हुआ है। दूसरी पत्नी दो महीने पहले उसे छोड़कर चली गई थी, जिससे वह अकेले रह रहा था। गांव के ठंडाराम नामक चरवाहे ने खेत में नर कंकाल देखा। शनिवार को लौटने के बाद उसने मृतक के भतीजे

शोभाराम को इसकी जानकारी दी।

शोभाराम ने जब मौके पर जाकर देखा, तो उसने तुरंत गांव के कोटवार जगमोहन को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। उरगा थाना प्रभारी युवराज तिवारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाया गया। एसपी और सीएसपी कोरबा भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव की पहचान कपड़ों के आधार पर करवाई गई है। घटनास्थल पर मिले सबूतों से मामला संदिग्ध लग रहा है। शव के टुकड़े अलग-अलग जगह पाए जाने और पास में खून के निशान मिलने से पुलिस हत्या की आशंका से इनकार नहीं कर रही है। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है।

युवक पर शराब की बोतल और चाकू से किया ताबड़तोड़ हमला, पुरानी रंजिश को लेकर हुआ था विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत लालघाट शराब दुकान के पास नया रिसदा रोड पर मारपीट की घटना सामने आई है। बाइक सवार एक युवक पर तीन युवकों ने बीयर बोतल और चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवक के सिर और पेट पर गंभीर चोटे आए हैं।

बताया जा रहा है कि 25 वर्षीय लालघाट निवासी अजीत यादव बाइक में सवार होकर रिसदा की तरफ जा रहा था। इस दौरान बाइक पर सवार तीन युवकों ने रास्ता रुकवाया उसके बाद सीधे बीयर की बोतल और चाकू से उसे पर हमला कर दिया।

25 वर्षीय लालघाट निवासी अजीत यादव ने बताया कि भदरापारा निवासी विजय ने अपने दो साथियों के साथ मारपीट की घटना कोअंजाम दिया है। अजीत यादव ने बताया कि कुछ महीने पहले विजय की किसी दूसरे युवकों के साथ मारपीट की घटना सामने आई थी। जिसमें वह बचाव करने गया हुआ था, पुरानी रंजीत को लेकर उसने उसके साथ मारपीट को घटना को अंजाम दिया है। किसी तरह वह वहां से जान बचाकर भागा तब उसकी जान बची। मारपीट के दौरान आसपास लोग तमाशा देखते रहे, लेकिन किसी ने भी बचाने की कोशिश नहीं की। मारपीट की घटना के बाद सभी मौके से फरार हो गए।

इस घटना की सूचना पर बालको थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए घायल युवक को कोरबा के जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। उसका उपचार जारी है युवक के सिर और पेट पर चोट आई है। बालको थाना पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को किया ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार को एनकाउंटर में दो नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मारे गए नक्सलियों में एक महिला और एक पुरुष नक्सली है। दोनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। फिलहाल उनकी शिनाख्ती का प्रयास किया जा रहा है। मामला किस्टाराम थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। दोनों तरफ से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। किस्टाराम इलाके में कोबरा, DRG और जिला बल के करीब 500 जवानों ने नक्सलियों को घेर लिया। इस दौरान दो नक्सलियों को मार गिराया है। फिलहाल दोनों ओर से फायरिंग जारी है। बताया जा रहा है कि मारे गए नक्सलियों की संख्या भी और बढ़ सकती है। बता दें 2025 में अब तक 83 नक्सली ढेर हुए हैं। इसके पहले जवानों ने बीजापुर में 9 फरवरी को जवानों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया था।

मुख्य मार्गों पर केक काटना पड़ेगा महंगा, जाना पड़ेगा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सड़कों पर केक काटने का दूसरा मामला सामने आया। मामले पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। वहीं रायपुर कलेक्टर ने हिदायत भी दी है। सार्वजनिक जगहों पर या मुख्य मार्गों या मुख्य चौक चौराहे पर बर्थडे सेलिब्रेशन करना दंडनीय अपराध है।

रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि सामान्यत: देखा जा रहा है कि हम सिविक सेंस को भूलकर कई बार सड़कों पर जन्मदिन बनाने के लिए निकल आते हैं। सड़क के नियमों का पालन नहीं करते हैं। सड़कों पर अतिक्रमण करने की अवरोध बन

जाते हैं। हम सड़क के नियमों का पालन नहीं करते हैं। अवैध रूप से सड़कों पर आक्रमण करने की कोशिश करते हैं। बिना हेलमेट के गाड़ी चलाते हैं।

उन्होंने कहा कि कहीं पर भी इधर-उधर पार्किंग में गाड़ियां खड़ी कर देते हैं, जो कि आम जनजीवन को प्रभावित करता है। इसलिए कलेक्टर होने के नाते मेरा आप सभी से निवेदन है कि सड़क सुरक्षा से संबंधित जितनी भी चीज हैं उनका कड़ाई से पालन करें। उन्होंने आगे कहा कि मैं विशेषता बताना चाहता हूं कि अपनी खुशी को आप सार्वजनिक स्थानों पर रोड बीच रोड में जन्मदिन मनाते हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। उनके खिलाफ जितनी कठोर से कठोर कार्रवाई हो सकती है, की जाएगी।

उन्होंने हिदायत देते हुए कहा कि ऐसा कोई काम ना करें जो कि उनको और उनके परिवार के लिए कष्ट का कारण बने और समाज के लिए भी कष्ट का कारण बने। दूसरी ओर रायपुर एसपी डॉक्टर लाल उम्मेद सिंह ने कहा कि किसी के द्वारा भी मुख्य मार्ग पर या मुख्य चौक चौराहे पर अपना जन्मदिन या पारिवारिक आयोजन किए जाने से लोगों को मार्ग अवरोध होता है। इस प्रकार का कृत किया जाना अपराध के श्रेणी में आता है। किसी भी चौक चौराहे पर अपना बर्थडे के काटना आयोजन करना दंडनीय अपराध है। साथ ही एक माह की सजा होती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का कृति के जाने पर पुलिस के द्वारा प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की जाती है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि ऐसे सार्वजनिक स्थलों पर सार्वजनिक मार्ग पर किसी प्रकार का बर्थडे सेलिब्रेशन या केक काटने का कृत न करें। ऐसा करने पर जेल जाने की नौबत आएगी।

एक ही परिवार के चार लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र बरपाली तुरिधाम नगरदा गांव में एक ही परिवार के चार लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए। इस घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया और सभी को कोरबा के जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जहां सभी का उपचार जारी है।

बताया जा रहा है कि 50 वर्षीय प्यारेलाल का परिवार निवास करता है, जहां घर पर उसकी पत्नी और दो बेटी समेत एक दामाद साथ में रहता है। शनिवार की रात खाना खाने के बाद सभी की एक के बाद एक तबीयत बिगड़ने लगी। उल्टी और चक्कर आने लगे, कमजोरी महसूस होने लगी। उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था। जब सभी की तबीयत बिगड़े पर उन्हें अंदेशा हुआ कि खाने या पीने में कुछ हुआ होगा। इस दौरान पीने वाले पानी के टब में देखा तो छिपकली मरी हुई

खाना खाने के बाद बिगड़ी सभी की तबीयत

पड़ी थी। उसके बाद घर पर हड़कंप मच गया और आसपास लोगों को इसकी जानकारी दी गई सभी को एंबुलेंस के माध्यम से कोरबा के जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया गया।

बताया जा रहा है कि 50 वर्षीय प्यारेलाल उसकी पत्नी 48 वर्ष की कलाबाई 32 वर्षीय बेटी दिल बाई और 35 वर्षीय दामाद रथराम ने एक साथ भोजन किया था। वहीं प्यारेलाल की एक बेटी ने खाना नहीं खाया था और न ही पानी पिया था, जिससे वह सुरक्षित थी। डॉक्टर ने बताया है कि सभी खतरे से बाहर है समय रहते सभी का उपचार शुरू कर दिया गया था।

12वीं कक्षा के छात्र की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

कोरबा। कोरबा जिले में पिकअप और मोटरसाइकिल की टक्कर में 12वीं कक्षा के छात्र (20 वर्षीय) की मौत हो गई। मृतक की पहचान विशेष राठिया के रूप में हुई, जो मधुबनी गांव का रहने वाला था और बोतली हाई सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई करता था। घटना के समय वह स्कूल से घर लौट रहा था। करतला थाना क्षेत्र के चारमार मदवानी मुख्य मार्ग पर यह घटना हुई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पिकअप चालक को गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक छात्र बोतली के हाई सेकेंडरी स्कूल में 12वीं कक्षा का छात्र था। वह बाइक से स्कूल से घर लौट रहा था।

महिला और उनके परिवार के बीच हुई मारपीट, अपराध दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के जामुल थाना में एक ऐसा केस आया, जिसमें जामुल पुलिस उलझ कर रह गई है। दो महिला और उनके परिवार के बीच हुई मारपीट में जामुल पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया। स्न्द्धक्र दर्ज होने के बाद एक महिला ने उसके साथ गैंगरेप होने का आरोप लगा डाला। महिला ने आरोप लगाया कि वो जहां रहती है वहां उसके साथ तीन लोगों ने मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। महिला के इस गंभीर आरोप के बाद जामुल पुलिस इतना परेशान हो गई कि टीआई कपिलदेव पांडेय ने तुरंत इसकी पूरी जानकारी अपने उच्चाधिकारियों दी। इसके बाद उन्होंने जहां महिला रहती है उस मोहल्ले के सभी लोगों का बयान दर्ज कराया।

बयान में लोगों ने रेप वाली बात को पूरी तरह से झूठ बताया। उन्होंने कहा कि यदि महिला के साथ रेप हुआ होता तो मारपीट की एफआईआर के समय ही सबसे पहले रेप की शिकायत दर्ज कराती, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। इसके बाद उसने दूसरे पक्ष को फंसाने के लिए झूठा आरोप लगाया है। थाना प्रभारी कपिल देव पांडेय ने बताया कि घटना 27 फरवरी 2025 की दोपहर की है। जामुल में आम्रपाली अपार्टमेंट के पीछे बांबे आवास निवासी चंपा विश्वकर्मा, पिंकी, रजनी, रवि विश्वकर्मा और महिला और उसके बेटे के साथ झगड़ा हुआ था। दोनों पक्ष मारपीट करने के बाद जामुल थाने शिकायत दर्ज करने पहुंचे थे। पुलिस ने सभी का मुलाहिजा करवाया और उसके बाद दोनों पक्षों के खिलाफ काउंटर अपराध दर्ज किया था।

रिपोर्ट दर्ज कराने के दौरान दोनों पक्षों ने केवल मारपीट का आरोप लगाया और पुलिस ने उन्हीं धाराओं के तहत मामला भी दर्ज किया। इसके बाद महिला इलाज के नाम से अस्पताल में भर्ती हुई और वहां जाकर आरोप लगाया कि उसके साथ गैंगरेप हुआ है। जब ये जानकारी पुलिस के पास आई तो पुलिस के पैर तले जमीन खिसक गई। टीआई ने बताया जब मोहल्ले के लोगों का बयान दर्ज किया तो उन्होंने बताया कि झगड़ा के समय महिला बार-बार ये धमकी दे रही थी कि वो सभी को रेप केस में फंसा देगी। उसने थाने में सबके सामने कुछ नहीं बोला, लेकिन बाद में उनको फंसाने के उद्देश्य से झूठा आरोप लगा दिया है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

छत्तीसगढ़ में निवेश को बढ़ावा

मुख्यमंत्री साय का उद्योगपतियों को आमंत्रण, नई औद्योगिक नीति से 1.23 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आप छत्तीसगढ़ आइए, निवेश करिए और विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहभागी बनें। विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ को समर्पित हमारी नई उद्योग नीति लागू होने से अब तक राज्य सरकार को 1 लाख 23 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। राज्य सरकार न्यूनतम प्रशासन-अधिकतम प्रोत्साहन, उद्यमियों को निवेश अनुकूल माहौल और हर संभव सहयोग दिए जाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर में आयोजित इंडस्ट्री डायलॉग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम को बढ़ावा देने वाली भारत सरकार की महती योजना रैंप का प्रदेश में शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 09 लाभार्थियों को 2 करोड़ 21 लाख से अधिक, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य संस्करण योजना के तहत 3 लाभार्थियों को 55 लाख से अधिक तथा राज्य में निवेश करने वाले 16 निवेशकों को इनविटेशन टू इन्वेस्ट पत्र वितरित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प रखा है। उनके संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित करने छत्तीसगढ़ विजन 2047 तैयार कर इस दिशा में लगातार काम कर रहे है।

उन्होंने कहा कि ईज आफ डूइंग बिजनेस के तहत अनुमति, अनुमोदन और नवीनीकरण की प्रक्रिया हमने काफी आसान कर दी है, जिससे प्रदेश में निवेश आकर्षित हो रहे हैं। श्री साय ने बताया कि हमारी सरकार उद्योग जगत की सुविधा के लिए नये औद्योगिक पार्क स्थापित कर रही है। इनके तैयार होने के बाद यहां तेजी से निवेशक अपने उद्योग लगा सकेंगे। प्रदेश सरकार ने 7 नए लघु औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना की है तथा 4 बड़े औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना प्रक्रियाधीन है। बस्तर के नगरनार स्टील प्लांट की स्थापना के चलते सहायक ईकाइयों के लिए बड़ी संभावनाएं बनती हैं। इन्हें स्थान देने के लिए नगरनार के पास नियानार में 118 एकड़ भूमि में नये औद्योगिक पार्क की स्थापना की उन्होंने जानकारी भी दी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद से हम रायपुर, दिल्ली और मुंबई में इंवेस्टर्स कनेक्ट कार्यक्रम कर चुके हैं जिसमें बड़ी संख्या में निवेशकों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई है। नई औद्योगिक नीति के लागू होने के बाद अब तक 1 लाख 23 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले है और 50 से ज्यादा उद्यमियों को निवेश हेतु प्रमाणपत्र भी सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज पदार्थों से समृद्ध है। हम बिजली सरप्लस स्टेट हैं। सेंट्रल इंडिया में होने के कारण कनेक्टिविटी देश के सभी हिस्सों से शानदार है और हमारी नीति और नीयत ने प्रदेश को निवेश के लिए आदर्श स्थल बना दिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने एआई, आईटी, डाटा सेंटर, रोबोटिक्स जैसी नई संभावनाओं के साथ ही फार्मास्युटिकल, रेडीमेड गारमेंट सेक्टर में निवेश के लिए नई औद्योगिक नीति में विशेष प्रोत्साहन दिए जाने की जानकारी दी। श्री साय ने सेमी कंडक्टर, डाटा सेंटर और एआई आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के रजत जयंती वर्ष का जिक्र करते हुए छत्तीसगढ़ की वित्तीय यात्रा की जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया कि पिछले 25 वर्षों में प्रदेश की जीएसडीपी 20 गुना बढ़कर 5 लाख करोड़ हो गई है। उन्होंने बताया कि पिछले 25 वर्षों में प्रदेश के बजट का आकार भी बढ़ा है और अब हम कैपिटल एक्सपेंडिचर को बढ़ाने की दिशा में भी लगातार काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार करने राज्य सरकार सभी क्षेत्रों सकारात्मक पहल कर रही है। विकसित छत्तीसगढ़ के विजन को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने नई औद्योगिक नीति राज्य में लागू की है। उन्होंने बताया कि इस नीति के माध्यम से राज्य से बाहर के निवेशकों को आमंत्रित किया गया है और उद्योगों की स्थापना से प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने पिछले 6 वर्षों से जिन उद्योगों को अनुदान की राशि नही मिली उनकी राशि जल्द जारी किए जाने की जानकारी दी और कहा कि सरकार 489 करोड़ रुपए 1049 लघु और बड़े उद्योगों को भुगतान करेगी।

इन्वेस्टर्स डायलॉग में मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने 16 निवेशकों को इनविटेशन टू इन्वेस्ट पत्र भी सौंपे, जिसके तहत प्रदेश में लगभग 11 हजार 733 करोड़ रुपए का निवेश होगा और लगभग 9 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। कार्यक्रम में एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडिया से प्रशिक्षण प्राप्त 05 प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इन्वेस्टर्स डायलॉग को मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडिया के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला, संचालक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सुश्री अंकिता पाण्डेय ने भी संबोधित किया। उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया और विभागीय योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी साझा की। इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित उद्योग विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में उद्यमीगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ी गुरतुर भाषाः अंतस को सींचती है, आत्मा को एक दूसरे से जोड़ती है - मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के दो दिवसीय आठवें प्रांतीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ी गुरतुर भाषा है। छत्तीसगढ़ी भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, यह हमारे अंतस को सींचने और हमारी आत्मा को एक दूसरे से जोड़ने वाली भाषा है। हमें अपनी छत्तीसगढ़ी भाषा पर गर्व है। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के दो दिवसीय आठवें प्रान्तीय सम्मेलन 2025 के शुभारंभ अवसर पर यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ी भाषा का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सन 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर हमारे पुरखों के सपनों को साकार किया।

अलग राज्य बनने के बाद अपनी महतारी की भाषा छत्तीसगढ़ी को सम्मान दिलाने की जिम्मेदारी हम सब की है। यह खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ी में बढ़िया किताबें लिखी जा रही है। इनमें से आज भागमानी, छत्तीसगढ़ के छत्तीस भाजी, छतनार, चल उड़ रे पुचुक चिरई, एक कहानी हाना के, गंगा बारू अउ माटी के दीया सहित छत्तीसगढ़ी भाषा की 11 पुस्तकों का विमोचन किया गया। आयोग के आठवें प्रांतीय सम्मेलन के अध्यक्ष और वरिष्ठ साहित्यकार श्री रामेश्वर वैष्णव, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रमेन्द्र नाथ मिश्र, डॉ. विनय कुमार पाठक, संचालक संस्कृति एवं राजभाषा विवेक आचार्य, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के सचिव डॉ. अभिलाषा बेहार सहित अनेक गणमान्य साहित्यकार उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा अब तक डेढ़ हजार पुस्तकों का प्रकाशन मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा यह प्रयास है कि हमारी भाषा, बोली का मान बढ़े, लोगों का अपनी भाषा से जुड़ाव रहे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा का समृद्ध इतिहास है, हमारी यह भाषा शिलालेख में भी दर्ज है। अनेक कवि और लेखक अपनी लेखनी से छत्तीसगढ़ी को समृद्ध कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा अपने गठन के बाद अब तक डेढ़ हजार पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है। उन्होंने कहा प्रदेश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है, इस नीति में बच्चों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा दी जाती है। छत्तीसगढ़ में भी बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा दी जा रही है। बच्चे अपनी मातृभाषा में कठिन से कठिन विषय भी आसानी से समझ लेते हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ी भाषा को लोकप्रिय बनाने में सफल होगा।

मुख्यमंत्री साय ने साहित्यकारों के आग्रह पर छत्तीसगढ़ी रचनाकारों की किताबें स्कूलों की लाइब्रेरी में भेजने की घोषणा की, ताकि स्कूली बच्चे इनका अध्ययन कर सकें।

वरिष्ठ साहित्यकारों का सम्मान

मुख्यमंत्री श्री साय ने सम्मेलन में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवधर दास महंत, जिला जांजगीर, काशीपुरी कुन्दन, जिला गरियाबंद, सीताराम साहू ''श्याम'', जिला बालोद, राघवेन्द्र दुबे, जिला बिलासपुर, कुबेर सिंह साहू, जिला राजनांदगांव और डॉ. दादूलाल जोशी, जिला राजनांदगांव को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

11 किताबों का विमोचन

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में 11 साहित्यकारों की पुस्तक का विमोचन किया। इनमें देवचरन धुरी की पुस्तक ''देवचरन के कहमुकरी'', डॉ. दीनदयाल साहू की पुस्तक ''भागमानी'' (छत्तीसगढ़ी उपन्यास), मुकेश कुमार के उपन्यास ''मंजरी पाती'' (छत्तीसगढ़ी उपन्यास), कन्हैया साहू ' अमित की पुस्तक ''छत्तीसगढ़ के छत्तीस भाजी'', राजकुमार चौधरी के काव्य संग्रह ''छतनार (काव्य संग्रह)'', टीकेश्वर सिन्हा की 'गब्दीवाला' की पुस्तक ''चल उड़ रे पुचुक चिरई'', हरिशंकर प्रसाद देवांगन की पुस्तक ''एक कहानी हाना के'', मिनेश कुमार साहू की पुस्तक ''गंगा बारू'' डॉ. लूनेश कुमार वर्मा के काव्य संग्रह ''माटी के दिया'', रामनाथ साहू - गीतांजली (गुरूदेव रविन्द्रनाथ टेगोर के गीताजंली काव्य के छत्तीसगढ़ी अनुवाद) और दुर्गा प्रसाद पारकर की पुस्तक प्रतिज्ञा (मुंशी प्रेमचंद कृत प्रतिज्ञा के छत्तीसगढ़ी अनुवाद) शामिल हैं। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के आठवें प्रांतीय सम्मेलन के अध्यक्ष रामेश्वर वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ी समृद्ध भाषा है। अलग-अलग क्षेत्रों में बोली जाने वाली छत्तीसगढ़ी का मानकीकरण करने और एकरूपता लाने का प्रयास किया जाना चाहिए। संचालक संस्कृति एवं राजभाषा विवेक आचार्य ने राजभाषा आयोग के कार्यों पर प्रकाश डाला। आयोग की सचिव डॉ. अभिलाषा बेहार ने स्वागत भाषण दिया। प्रदेश भर से आए गणमान्य साहित्यकार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छात्र जीवन सर्वश्रेष्ठ समयः रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद संतोष पांडेय, महापौर मधुसूदन यादव, प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, प्राध्यापक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. सिंह ने महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नेक) द्वारा बीप्लस प्लस ग्रेड मिलने पर बधाई दी और इसे गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन व्यक्ति का सर्वश्रेष्ठ समय होता है, जो वापस नहीं आता, इसलिए विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए। उन्होने छत्तीसगढ़ के युवाओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि वे अमेरिका, यूरोप सहित दुनिया के बड़े संस्थानों में अपनी बुद्धिमत्ता से देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने नवीन शिक्षा नीति को रोजगारोन्मुख बताते हुए कहा कि इससे युवाओं के लिए नई संभावनाएं खुलेंगी। साथ ही, उन्होंने महाविद्यालय में अधोसंरचना सुधार, नए कक्षों के निर्माण, नियमित स्टाफकी नियुक्ति और अन्य सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट में प्रावधान करने की घोषणा की।

इस अवसर पर प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में लुमिना, कल्याणी, सोनम चंद्राकर, आंचल कसार, ओमेश्वरी, धनश्री चंचल सोनटेके, लक्ष्मी साहू, सुनील कुमार साकरे, योगिता, नम्रता द्विवेदी, दीपांशु साहू, साहिल राय, अशुतोष उपाध्याय, एकता वर्मा, तरूण कुमार, कार्तिका साहू, मिथलेश साहू, भाविका साहू सहित अन्य छात्र शामिल थे।

सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से राजनांदगांव में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई है, जिससे क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाएं बेहतर हुई हैं। उन्होंने महाविद्यालय के रिकॉर्ड रूम के लिए 55 हजार रुपये और साइकल स्टैंड के लिए 25 लाख रुपये देने की घोषणा की।

गिरौदपुरी धाम में 4 से 6 मार्च तक होगा गुरुदर्शन मेला

श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विस्तार, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गिरौदपुरी धाम में इस वर्ष तीन दिवसीय गुरूदर्शन मेला का आयोजन 4 से 6 मार्च 2025 तक होगा। मेला आयोजन समिति की बैठक धर्मगुरु गुरुबालदास साहेब की अध्यक्षता में जिला पंचायत बलौदाबाजार के सभागार में संपन्न हुई, जिसमें मेले की तैयारियों और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं व सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राजमाता गुरु प्रवीण माता जी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब, राजमहंतगण, पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े, कलेक्टर दीपक सोनी, एसएसपी विजय अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

धर्मगुरु गुरुबालदास साहेब ने बैठक में कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी के सम्मान में आयोजित गिरौदपुरी मेला सबकी भागीदारी से शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की अप्रिय गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि गिरौदपुरी मेला श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, जहां लाखों लोग आते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा विशाल जैतखाम के निर्माण के साथ अन्य सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। वहीं, आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि मेला समिति के सदस्य मेले की अवधि में व्यवस्थाओं की निगरानी करें और मेले के बाद सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। बैठक का संचालन कर रहे कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि इस वर्ष मेले के लिए कसडोल एसडीएम आर.आर. दुबे को मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है। राज्य स्तर से 23 प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की जा रही है। श्रद्धालुओं के पेयजल की व्यवस्था के लिए मेला परिसर में स्थित टंकियों की साफ-सफाई कराकर उसमें जलापूर्ति की जा रही है। मेला स्थल पर जलापूर्ति की व्यवस्था के लिए 30 लाख, 8 लाख और 75 हजार लीटर क्षमता के टंकियां हैं। मंदिर परिसर, महराजी, छाता पहाड़ और पंचकुंडीय स्थानों पर पृथक से पेयजल टंकियों की व्यवस्था की गई है। आवश्यकता अनुसार टैंकरों से भी जल आपूर्ति की जाएगी। गुरु निवास सहित प्रमुख स्थानों पर स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात रहेंगी।

सीएचसी कसडोल को 24 घंटे अलर्ट मोड में रखा गया है। पर्याप्त दवाइयां और एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक नगरीय निकाय से दिन में दो बार सफाई कराई जाएगी। मेला स्थल को 5 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। चलित और स्थायी टॉयलेटों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। बिजली आपूर्ति और प्रकाश व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं। वेंडिंग जोन बनाया जा रहा है ताकि व्यवस्थित रूप से दुकानें लग सकें। एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि मेले के दौरान तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मॉनिटरिंग पुलिस कंट्रोल रूम से होगी। सात जगहों पर दमकल वाहन तैनात किए जाएंगे। अलग-अलग स्थानों पर पुलिस पेट्रोलिंग टीमें गश्त करेंगी। छाता पहाड़ क्षेत्र में वायरलेस सेट भी स्थापित किया गया है। मेला परिसर और आसपास मांस-मदिरा की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित होगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950